News सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-188
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 13 अक्टूबर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

खत्म होने जैसा जिंदगी में कुछ नहीं होता
हमेशा एक नई सुबह आपका इंतजार करती है
वक्त के सामने झुका नहीं जाता
बस वक्त से सीखा जाता है

बाबा सिद्दीकी की हत्या से सदमे में बॉलीवुड

बिग बॉस की शूटिंग कैंसिल कर सलमान खान-शिल्पा समेत सितारे पहुंचे अस्पाल

मुंबई में बीते शनिवार(13 अक्टूबर) को बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं उनकी हत्या की खबर सुनते ही सलमान खान बिग बॉस की शूटिंग कैंसिल कर लीलावती अस्पताल पहुंचे। इसके अलावा संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, शिखर पहाड़िया समेत कई सितारे हॉस्पिटल पहुंचे थे। हालांकि, इस वक्त पूरा बॉलीवुड सदमे में हैं और कई सितारे ने पोस्ट करके ना सिर्फ अपना दुख जताया है बल्कि ऐसा करने वालों को कड़ी सजा देने की मांग किया हैं। इसी बीच रितेश देशमुख ने अपने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने लिखा कि बाबा सिद्दीकी जी की मौत से मैं बेहद दुखी और हैरान हूं....मेरे पास शब्द नहीं है अपना दुख बयां करने के लिए। लेकिन इस मुश्किल घड़ी में परिवार को हिम्मत मिले। इस जघन्य अपराध को न्याय के कटघरे में जरूर खड़ा करना चाहिए।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद परिवार से मिलने पहुंचे सेलेब्स जहां बाबा सिद्दीकी की हत्या की खबर सुनते ही सलमान खान बिग बॉस की शूटिंग कैंसिल कर लीलावती अस्पताल पहुंचे। तो वहीं शिल्पा शेट्टी भी अपने पति राज कुंद्रा संग स्पॉट की गईं। वहीं जाह्नवी कपूर के रुमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया भी भाई वीर पहाड़िया के साथ बाबा सिद्दीकी के साथ उनकी फैमिली से मिलने पहुंचे। हालांकि, इस दौरान उनके चेहरे पर साफ दिखा इस खबर से वह बेहद हैरान है। इसके अलावा बाबा सिद्दीकी की हत्या की खबर मिलते ही संजय दत्त पहुंचे। संजय दत्त के साथ भी बाबा सिद्दीकी काफी करीब है और उनके चेहरे को देख लग रहा है कि वो बेहद सदमे में हैं। इसके साथ ही कई ऐसे सितारे भी है जो बाबा सिद्दीकी से ताल्लुक रखते हैं।

तीन शूटरों ने बाबा सिद्दीकी को मारी गोलियां आपको बता दें, बीते शनिवार रात लगभग 9.30 बजे बाबा सिद्दीकी पर उनके पुत्र के कार्यालय के बाहर मोटर साइकिल से तीन शूटरों ने छह गोलियां मारीं। इसके बाद बाबा सिद्दीकी को तुंरत पास के लीलावती अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वह उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अब पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए दो शूटरों में से एक हरियाणा का बताया जा रहा है और दूसरा उत्तर प्रदेश का है। जांच में आरोपी के पास से एक पिस्तौल भी बरामद हुई है।

प्रदेश के 1323 निजी और सरकारी कॉलेजों में यूजी-पीजी की 50 फीसदी सीटें खाली, सीएलसी में भी छात्रों ने नहीं दिखाई रुचि

10.39 लाख में से 5.04 लाख सीटों पर ही विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

भोपाल। मध्य प्रदेश के 1326 सरकारी और निजी कॉलेजों में इस बार 50 फीसदी सीटें खाली रह गई है। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के काफी प्रयास के बाद भी सीटों को भरने में कामयाबी नहीं मिली। 1326 कॉलेज में यूजी-पीजी की करीब 10.39 लाख सीटें हैं। जिसमें 5.04 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। ऑनलाइन प्रवेश में जब छात्रों ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई तो उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज लेवल काउंसलिंग करवाई जिसमें भी छात्रों ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई और ज्यादातर सीटें खाली गई।

मध्य प्रदेश के कॉलेजों में पहली बार पीजी के साथ यूजी के चतुर्थ वर्ष (ऑनर्स) में प्रवेश देने की व्यवस्था भी हुई है। खास बात यह है कि विद्यार्थी को अगर पीजी में प्रवेश नहीं लेना है तो वे यूजी ऑनर्स चतुर्थ वर्ष में प्रवेश ले सकता है। अगर विद्यार्थी चौथे वर्ष में आनर्स करेंगे तो उनके लिए पीजी एक साल का ही होगा। जानकारी के मुताबिक पहले ही वर्ष 28 हजार विद्यार्थियों ने यूजी चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लिया है। यूजी ऑनर्स चतुर्थ वर्ष में 25 अक्टूबर तक प्रवेश होंगे।

पहली बार शुरू किया गया स्नातक में चतुर्थ वर्ष इस बार पहली बार नई शिक्षा नीति के तहत यूजी चतुर्थ वर्ष शुरू किया गया है। विद्यार्थियों की यूजी की डिग्री करने की अवधि तीन साल से बढ़ाकर चार साल कर दी गई है। ऐसे में अगर विद्यार्थी चाहें तो वे तीन साल में डिग्री पूर्ण कर पीजी में प्रवेश ले सकते हैं। वहीं अगर वे यूजी चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लेते हैं तो उन्हें पीजी एक वर्ष का ही करना होगा। इस बार पीजी की करीब सवा दो लाख सीटों में से सवा लाख सीटों पर प्रवेश हुए हैं। वहीं 28 हजार 400 विद्यार्थियों ने पीजी में प्रवेश नहीं लेकर यूजी के चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लिया है। इसमें विद्यार्थियों ने आनर्स और रिसर्च विद आनर्स में प्रवेश लिए हैं।

ऑफलाइन प्रवेश में भी नहीं मिली सफलता गौरतलब है कि उच्च शिक्षा विभाग में प्रदेश के सरकारी और निजी कॉलेजों में सीटें भरने के लिए अंतिम चरण की कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) ऑफलाइन पद्धति से चलाई गई थी। इसमें ज्यादा प्रवेश नहीं हुए हैं। प्रवेश लेने के बाद 15 अक्टूबर तक विद्यार्थी विषय संबंधित अन्य त्रुटियों में संशोधन कर सकते हैं।

जाने प्रदेश के कॉलेज की स्थिति

1- प्रदेश में यूजी व पीजी कालेजों की संख्या - 1323
2- यूजी व पीजी में कुल सीटें - 10.39 लाख
3- यूजी व पीजी में कुल प्रवेश - 5.04 लाख
4- यूजी में कुल सीटें - 8.25 लाख
5- यूजी में कुल प्रवेश - 3.90 लाख
6- पीजी में कुल सीटें - 2.13 लाख
7- पीजी में कुल प्रवेश - 1.14 लाख

गुजरात में दीवार गिरने से 9 मजदूरों की मौत

भूमिगत टैंक के लिए गड्ढा खोद खोदने के दौरान हुआ हादसा

मेहसाणा। गुजरात के मेहसाणा जिले के कादी तालुका के जासलपुर गांव के पास एक कंपनी की दीवार गिरने से 9 मजदूरों की मौत हो गई है जबकि एक घायल है। जानकारी के मुताबिक यहां एक कंपनी के लिए अंडरग्राउंड टैंक लगाने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक दीवार गिर गई और मौके पर काम कर रहे मजदूर फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर रेस्क्यू टीम भी पहुंची और बचाव अभियान शुरू कर किया। इसके मौके पर एंबुलेंस और पुलिस की टीमें भी मौजूद थी।

कादी पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर प्रहलादसिंह वाघेला ने कहा कि जसलपुर गांव में एक कंपनी के लिए कई मजदूर भूमिगत टैंक के लिए गड्ढा खोद रहे थे, तभी हादसा हो गया और वे जिंदा दफन हो गए। हादसा दोपबर 1.45 के करीब हुआ। यहां 9-10 लोग दबे हुए थे जिनमें से पहले 6 के शव बरामद कर लिए गए हैं। एक 19 साल का लड़का भी यहां फंसा हुआ था जिसे सुरक्षित बचा लिया गया है। उसने बताया कि 8-9 लोग यहां काम कर रहे थे। 2-3 लोग अब भी फंसे हुए हैं।

पीएम मोदी ने जताया दुख

पीएम मोदी ने भी घटना पर दुख जताया है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा, गुजरात के मेहसाणा में दीवार गिरने से हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इसमें जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी शोक-संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहन करने का संबल प्रदान करे। इसके साथ ही मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव सहायता में जुटा है। इसी के साथ हादसे में मारे गए लोगों के परिवारवालों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया गया है।

बांग्लादेश में पूजा-पंडालों पर हमले और मुकुट चोरी की घटना पर विदेश मंत्रालय सख्त

हिंदुओं और उनके पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार

नई दिल्ली। बांग्लादेश में काली मंदिर से मुकुट चोरी होने की घटना और दुर्गा पूजा पंडालों पर हमले पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मंदिरों और देवताओं को अपवित्र करने की घटनाएं निंदनीय हैं। यह अपवित्रता का व्यवस्थित पैटर्न है। बांग्लादेश सरकार हिंदुओं, अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

दरअसल बांग्लादेश में इस बार हिंदू समुदाय के लोग शांति से दुर्गा पूजा उत्सव भी नहीं मना पाए और दुर्गा पूजा पंडालों को कट्टरपंथियों द्वारा निशाना बनाने की 35 घटनाएं हुईं। पुलिस ने बताया कि नवरात्रि उत्सव के दौरान बीते एक महीने में पूरे देश में दुर्गा पूजा पंडालों में 35 अप्रिय घटनाएं हुई हैं। इससे एक दिन पहले ही बांग्लादेश के प्रसिद्ध जेशोरेश्वरी मंदिर में मां काली का मुकुट चोरी होने की घटना घटी थी। यह मुकुट प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2021 में बांग्लादेश दौरे पर मां काली की प्रतिमा को भेंट किया था। इसके बाद कट्टरपंथियों ने चटगांव शहर में दुर्गा पूजा के मंच पर इस्लामी गीत गाया।

लोगों ने बताया कि पहले समूह ने एक धर्मनिरपेक्ष गीत गाया, लेकिन दूसरा गीत इस्लामी गीत था। उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा पंडाल के मंच से इस्लामी गीत गाने से हिंदू समुदाय और वहां मौजूद हिंदुओं में आक्रोश फैल गया। मामले में पूजा समिति के अध्यक्ष असीस भट्टाचार्य ने बताया, हम मेहमानों के स्वागत में व्यस्त थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने इस्लामी गीत गाना शुरू कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने ढाका के तांती बाजार में पूजा पंडाल पर हमले और काली मंदिर से मुकुट चोरी होने पर चिंता जताई है। ये घटनाएं मंदिरों और पूजा पंडालों को अपवित्र करने का अव्यवस्थित पैटर्न है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश सरकार सुरक्षा सुनिश्चित करे।

ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने ढाका में पूजा पंडाल पर हमले की खबरों के बीच शनिवार को ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया। यूनुस ने मंदिर में कहा कि सरकार बांग्लादेश का निर्माण ऐसे तरीके से करना चाहती है

युवती से छेड़छाड़, आरोपी के बेटे ने धमकाया

खंडवा के कोतवाली थाना क्षेत्र में युवती ने किया आत्मदाह का प्रयास

खंडवा। खंडवा के कोतवाली थाना अंतर्गत छेड़छाड़ से पीड़ित एक युवती ने आरोपी की धमकी के डर से आत्महत्या करने का प्रयास किया है। 8 अक्टूबर को युवती के साथ पास के ही एक युवक ने छेड़छाड़ की थी। इसके बाद से ही युवती उस घटना से दुखी थी। हालांकि उस मामले में शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में भी पेश किया था, जहां उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था, जिससे युवती और भी आहत थी और वह तब से ही सदमे में रह रही थी।

इस बीच शनिवार को युवती ने अपने घर में ही रखे ज्वलनशील पदार्थ को अपने ऊपर उंडेल लिया और आग लगा ली। इस दौरान उसके परिजन घर पर ही मौजूद थे, जिन्होंने उसे आग में झुलसा देख तुरंत ही बुझाने का प्रयास किया। युवती की गंभीर हालत के चलते डॉक्टरों ने उसे इंदौर के एमवाय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, तो वहीं कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरोपी के पुत्र ने धमकाया, में बदला लूंगा इधर इस मामले में खंडवा सीएसपी अरविंद तोमर का कहना है कि आरोपी के लड़के ने धमकाया था कि मैं इसका बदला लूंगा। हालांकि अभी इस संबंध में बालिका के बयान लिए जा रहे हैं, और जैसे ही बयान पूरे होते हैं, उसके बाद इस मामले में अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उमर अब्दुल्ला 16 अक्टूबर को लेंगे सीएम पद की शपथ

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार का गठन होने जा रहा है। उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उमर अब्दुल्ला 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उमर अब्दुल्ला ने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत 1998 में लोकसभा के सदस्य के रूप में की थी। इसके बाद, उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया, जिनमें केंद्रीय मंत्री और विपक्ष के नेता के पद शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला की यह दूसरी पारी होगी। इससे पहले, उन्होंने 2009 से 2014 तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। उमर अब्दुल्ला की शपथ ग्रहण समारोह में कई महत्वपूर्ण नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का दावा पेश किया। मुख्यमंत्री पद के लिए मनोनीत उमर अब्दुल्ला ने राजभवन में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। कांग्रेस की ओर से नेकां उपाध्यक्ष को समर्थन देने के कुछ घंटों बाद सिन्हा के साथ अपनी मुलाकात के दौरान अब्दुल्ला ने गठबंधन सहयोगियों की ओर से समर्थन पत्र प्रस्तुत किए। उमर को वीरवार को सर्वसम्मति से नेकां विधायक दल का नेता चुना गया था। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल 2009 से 2014 तक नेकां-कांग्रेस गठबंधन सरकार के प्रमुख के रूप में भी था।

अब 17 को हरियाणा की नई सरकार का शपथ ग्रहण, पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

चंडीगढ़। हरियाणा की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 17 अक्टूबर को होगा। पहले इसकी तारीख 15 अक्टूबर तय थी। पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में 17 अक्टूबर को सुबह 10 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहेंगे। प्रदेश के मुख्य सचिव ने समारोह की तैयारी के लिए 10 सदस्य कमेटी गठित कर दी है। नायब सैनी का सीएम बनना तय है। वहीं उनके साथ 10 से 11 मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। भाजपा बहुमत में है हालांकि तीन निर्दलीय विधायकों सावित्री जिंदल, देवेंद्र कादियान और राजेश जून ने भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की है। पार्टी के पक्ष में अब 51 सदस्य हो गए हैं। सरकार को समर्थन की घोषणा करने वाले तीन निर्दलीय विधायकों में से एक को मंत्री बनाया जा सकता है। पिछली सैनी सरकार के दस में से आठ मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष चुनाव हार गए हैं। ऐसे में नई सरकार में नए चेहरों को मौका दिया जा सकता है। दिवंगत बंसीलाल की पौत्री श्रुति चौधरी का मंत्रिमंडल में शामिल होना तय माना जा रहा है। हरियाणा के अगले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ही होंगे। पार्टी के अंदर इसको लेकर कोई शंका नहीं है। पीएम मोदी व शाह अपनी रैलियों में नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री का चेहरा बता चुके हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कोई सस्पेंस नहीं है।

आवश्यकता

प्रदेशो, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट

वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message :
9755996590

देवी अहिल्याबाई के 300वें जन्म जयंती वर्ष और विजयादशमी पर्व पर इंदौर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम, किया ऐलान

देवी अहिल्याबाई के नाम पर होगा फर्स्ट बटालियन का नाम

सिटी चीफ इंदौर।
युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लोक माता देवी अहिल्याबाई के नाम से पूरे प्रदेश में स्कील डवलपमेंट प्रोग्राम चलाया जाएगा। वहीं इंदौर के फर्स्ट बटालियन का नामकरण देवी अहिल्याबाई के नाम से होगा।

यह ऐलान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को लोकमाता देवी अहिल्याबाई के 300वें जन्म जयंती वर्ष और विजयादशमी पर्व पर इंदौर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम में किया। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने एक हाथ में शस्त्र और दूसरे हाथ में शास्त्र लेकर नारी सशक्तिकरण, सुशासन, धर्म के प्रसार एवं सेवा के प्रकल्पों का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्हीं की प्रेरणा से आज पूरे प्रदेश में शस्त्र पूजन के कार्यक्रम व्यापक स्तर पर व्यापक जनसहभागिता के साथ आयोजित किए गए। यह पहली बार हो रहा है जब प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। पहली बार सरकार ने इस तरह के आदेश निकाले हैं।

मुख्यमंत्री ने शस्त्र पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने मां कालका के साथ ही परंपरागत शस्त्र तलवार, भाला से लेकर अत्याधुनिक एके-47 सहित अन्य शस्त्रों का मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान के साथ पूजन किया। प्रदेश में पहली बार हो रहा है जब विजयादशमी के अवसर पर पुलिस द्वारा आयोजित किए जाने वाले शस्त्र पूजन कार्यक्रम को नई सोच, नए संकल्प के साथ पूरे प्रदेश के हर जिले में भव्य एवं व्यापक स्तर पर बड़ी जनसहभागिता से उमंग और उल्लास से मनाया गया। यह कार्यक्रम इस वर्ष लोकमाता देवी अहिल्याबाई के 300वें जन्म जयंती वर्ष को समर्पित किया गया है। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, डीजीपी सुधीर सक्सेना, पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता, कलेक्टर आशीष सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर मनेंगे त्योहार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रदेश में हर पर्व और त्योहार अपार उत्साह और उल्लास के साथ व्यापक स्तर पर आयोजित किए जाएं। अब हर त्योहार और पर्व हम व्यापकता के साथ एक साथ पूरे प्रदेश में उल्लास से आयोजित कर रहे हैं। इसका सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि देव स्थलों की सुरक्षा और उसके पुनर्निर्माण में अनेक विभूतियों ने अपना योगदान दिया है। इन्हीं में से एक देवी अहिल्याबाई भी है, जिन्होंने देश के लगभग हर क्षेत्र में देव स्थलों का निर्माण कराया है। देवी अहिल्याबाई ने सुशासन, सुराज, सेवा और नारी सशक्तिकरण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने हमारे सामने शस्त्र और शास्त्र का महत्व भी रखा है। देवी अहिल्याबाई का हम इस वर्ष 300वां जन्म जयंती वर्ष मना रहे हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है। उन्हीं से प्रेरणा लेकर हम प्रदेश का तेज गति से विकास कर रहे हैं। उन्होंने औद्योगिक विकास और निवेश बढ़ाने के लिए प्रदेश में किये जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी।

घोड़े की सवारी भी की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर अश्व एवं वाहनों का पूजन भी किया। उन्होंने अश्व की सवारी भी की। उन्होंने वज्र वाहन का पूजन भी किया। कार्यक्रम स्थल पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। उन्होंने शस्त्रागार का अवलोकन भी किया। बालिका कु. चेतना प्रजापति ने अपने द्वारा पेंसिल स्केच से बनाया गया मुख्यमंत्री डॉ. यादव का चित्र उन्हें भेंट किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के अंत में इंदौर के पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। फर्स्ट बटालियन के बैंड ने धार्मिक गीतों/भजनों के सुमधुर वादन तथा स्वर लहरियों से पूरे कार्यक्रम स्थल को धर्ममय करते हुए उल्लास और उत्साह से सराबोर कर दिया।

राजेंद्र थाना क्षेत्र में युवक को घेरकर किया हमला

बेटे से लिपटी रही मां, बदमाश खींचकर घोंपते रहे चाकू

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। राजेंद्रनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात बदमाशों ने एक युवक पर घेरकर हमला कर दिया। युवक की मां बचाने के लिए उससे लिपट गई और बदमाश खींच-खींच कर चाकू घोंपते रहे। युवक की हालत बहुत गंभीर है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास में मामला दर्ज कर लिया है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला अमर पैलेस में गरबा पांडाल (हनुमान मंदिर के समीप) का है। बबिता शेर सिंह चौहान ने आरोपी अमर पैलेस कालोनी के अम्मू, निखिल, सुमित उर्फ पारो, लल्ला (पिपल्यापाल) और जानू (नाथ मोहल्ला) के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। बबिता चोइथराम सब्जी मंडी में मजदूरी करती है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे बबिता के सामने बेटे कान्हा को एक लड़का गरबा पांडाल में बुला कर ले गया। कुछ देर बाद बबिता, दामाद निखिल कान्हा को देखने गए तो आरोपी अम्मू, निखिल, जानू और लल्ला गालियां दे रहे थे।

आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दी। कुछ देर बाद अम्मू और निखिल का भाई सुमित पारो भी आ गया। उसने भी पीटना शुरू कर दिया।

बबिता ने लोगों से मदद मांगी, लेकिन कोई आगे नहीं आया। बबिता कान्हा से लिपटी रही। इसी दौरान सुमित और अम्मू ने चाकू निकालकर कान्हा को मारना शुरू कर दिया।
कान्हा के पेट और पसली में चाकू लगने बहुत खून बह गया। वह मौके पर ही बेहोश हो गया। कुछ देर बाद परिवार के लोग उसको एमवाय अस्पताल लेकर चले गए। कान्हा की हालत नाजूक बताई जा रही है। वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। पुलिस ने शनिवार को घटना में शामिल तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

भतीजे आदित्य विक्रम सिंह के पुलिस से बदतमीजी को 'छोटी घटना' बताई

दिग्विजय बोले कैलाश के राज में हिंदू खतरे में कैसे?

सिटी चीफ इंदौर।
पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने भतीजे आदित्य विक्रम सिंह के पुलिस से बदतमीजी करने की घटना को 'छोटी घटना' बताते हुए इसे तूल न देने की बात कही। उनका कहना था कि यह घटना तब हुई जब उनके भतीजे को नुक्कड़ नाटक के आयोजन की जानकारी नहीं थी और पुलिस अपना काम कर रही थी। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी होगा, देखा जाएगा। राघौगढ़ की घटना में आदित्य विक्रम सिंह द्वारा पुलिस अफसरों के साथ बदसलूकी और धमकी देने पर केस दर्ज हुआ था, जिसके संदर्भ में दिग्विजय सिंह ने इस घटना को अधिक महत्व न देने की बात की। इसके अलावा, दिग्विजय सिंह ने भाजपा के नेता कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें विजयवर्गीय ने हिंदू धर्म पर संकट की बात की थी। दिग्विजय ने पलटवार करते हुए कहा कि जब मुगलों और अंग्रेजों के शासनकाल में हिंदू धर्म खत्म नहीं हुआ, तो अब प्रधानमंत्री मोदी के शासन में हिंदू धर्म कैसे संकट में हो सकता है? उन्होंने यह भी कहा कि अगर कैलाश विजयवर्गीय का राज है, तो हिंदू धर्म संकट में क्यों होगा?

थानों में सिर्फ एक धर्म के आयोजन पर आपत्ति

दिग्विजय सिंह ने थानों में शस्त्र पूजन पर भी बयान दिया और कहा कि उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर सिर्फ एक धर्म का आयोजन होता है, तो वह आपत्ति करेंगे। भोपाल ड्रग्स कांड पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह देश के युवाओं के लिए खतरनाक संकेत है, और उन्होंने सरकार पर इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गुजरात पुलिस को मध्य प्रदेश पुलिस पर भरोसा नहीं था और उन्हें एमपी पुलिस की मिलीभगत का शक था।

ब्रॉडगेज के नए प्लेटफॉर्म तैयार होने के बाद रेलवे ने दो ट्रेनों के विस्तार की तैयारी

इंदौर के बजाय महू से चलेंगी दौंड और असारवा एक्सप्रेस

इंदौर। इंदौर स्टेशन से बनकर चलने वाली दो ट्रेनों का विस्तार अब महू तक किया जा रहा है। महू स्टेशन पर ब्रॉडगेज के नए प्लेटफॉर्म तैयार होने के बाद इंदौर से चलने वाली दो ट्रेनों को महू से चलाने की तैयारी शुरू हो गई है। पश्चिम रेलवे ने हाल ही में रेलवे बोर्ड को पत्र लिखकर इंदौर-पुणे-दौंड एक्सप्रेस और इंदौर-उदयपुर-असारवा वीरभूमि एक्सप्रेस को महू तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है।

लंबे समय से महू के लोग इंदौर से चलने वाली ट्रेनों के विस्तार का इंतजार कर रहे थे। महू में ट्रेनों के मेंटेनेंस के लिए तीन पिट लाइन और कोचिंग डिपो की सुविधा पहले से ही उपलब्ध है। हाल ही में वहां ट्रेनों की साफ-सफाई के लिए आटोमैटिक वॉशिंग प्लांट भी शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा बड़ी लाइन की ट्रेनों का संचालन वहां अब चारों प्लेटफॉर्म से होने लगा है, जिससे कुछ और ट्रेनों के विस्तार की गुंजाइश बढ़ गई है।

यह होगा प्रस्तावित टाइम टेबल

सूत्रों का कहना है कि पश्चिम रेलवे के प्रस्ताव को जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है। प्रस्तावित टाइम टेबल के अनुसार महू-दौंड एक्सप्रेस दोपहर 3.55 बजे महू से चलकर शाम 4.20 बजे इंदौर आएगी और शाम 4.30 बजे इंदौर से दौंड की ओर रवाना होगी। इसी तरह दौंड-महू एक्सप्रेस सुबह 8.25 बजे इंदौर आकर 8.35 बजे रवाना होगी और सुबह 9.10 बजे महू पहुंचेगी। इसी तरह महू-असारवा एक्सप्रेस शाम 5.20 बजे महू से चलकर 5.45 बजे इंदौर आएगी और 5.55 बजे इंदौर से रवाना होगी। वापसी में असारवा-इंदौर एक्सप्रेस सुबह 6.20 बजे इंदौर आकर 6.30 बजे रवाना होगी और सुबह 7.05 बजे महू पहुंचेगी।

नेता बोले- माफिया इतने ताकतवर कि खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे

कांग्रेस ने किया अनोखा प्रदर्शन, भाजपा नेताओं को माफिया से बचाने पहुंची

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर में कांग्रेस ने हाल ही में एक अनोखा प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने भाजपा विधायकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। कांग्रेस ने गांधी भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय पर 'कांग्रेस करेगी, कांग्रेस करेगी' जैसे नारे वाले पोस्टर लगाए और भाजपा विधायकों को सुरक्षा देने की बात कही। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से भाजपा विधायकों के उस बयान के बाद हुआ है जिसमें उन्होंने अपनी जान को खतरा बताया था, और एसपी के सामने दंडवत होने की बात कही थी। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक खंडेलवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा शासन के तहत माफिया इतने ताकतवर हो गए हैं कि भाजपा के ही विधायक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। भाजपा विधायक प्रदीप पटेल, संजय पाठक और अन्य विधायकों ने खुलकर कहा है कि उन्हें जान का खतरा है। इसके अलावा पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव और अजय विश्नोई ने भी सरकार पर माफियाओं के सामने झुकने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले उन्होंने इंदौर में डेंगू के बढ़ते प्रकोप के खिलाफ भी प्रदर्शन किया था।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के उस बयान को भी रेखांकित किया जिसमें उन्होंने स्वीकार किया था कि गली-गली में नशा बिक रहा है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा के नेता खुद अपनी सरकार में बेबस नजर आ रहे हैं, और अब कांग्रेस भाजपा विधायकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैयार है।

अब इंदौर-सूरत फ्लाइट होगी बंद, 26 को आखिरी उड़ान, विंटर शेड्यूल में उड़ानों के बंद होने का सिलसिला जारी

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर से काशी के लिए चलने वाली सीधी फ्लाइट के बंद होने के बाद अब इंदौर से सूरत के लिए चलने वाली सीधी फ्लाइट की भी बंद होने की खबर है। यह फ्लाइट इंदौर से सूरत आखरी बार 26 अक्टूबर को उड़ान भरेगी। जिसका किराया लगभग 2916 रूपए है। गौरतलब है की विंटर शेड्यूल में इंदौर एयरपोर्ट से उड़ानों के बंद होने का सिलसिला लगातार जारी है।

इंदौर से काशी की तरह इंदौर से सूरत उड़ान का संचालन भी इंडिगो ही करती थी। सूरत उड़ान बंद होने का सीधा असर यात्रियों की जेब पर पड़ेगा। 26 अक्टूबर को आखिरी उड़ान का किराया करीब 2916 रुपए है, जबकि 27 अक्टूबर से कनेक्टिंग फ्लाइट का किराया लगभग 10 हजार रुपए हो गया है। इंडिगो ने इंदौर से सूरत फ्लाइट को व्यापारी वर्ग को ध्यान में रखते हुए बीते साल इंदौर से राजकोट के साथ शुरू किया था। राजकोट उड़ान तो पहले ही बंद हो गई थी लेकिन अब सूरत उड़ान भी बंद हो रही है।

यात्रियों की कमी के चलते किया बंद, कंपनी को हो रहा था नुकसान

इंदौर से सूरत के लिए उड़ान दोपहर 1 बजे रवाना होकर दोपहर 2.15 बजे सूरत पहुंचती है। जबकि वापसी में सूरत से इंदौर के लिए उड़ान 5.45 बजे रवाना होकर शाम 7.05 पर इंदौर आती है। सूत्रों का कहना है की इंडिगो ने इस उड़ान को यात्रियों की कमी के चलते बंद किया गया है, कम्पनी को नुकसान हो रहा था। जबकि इंडिगो के स्थानीय अधिकारी इस पर बोलने से बच रहे है। वही एजेंटों का कहना है कि इस उड़ान से यात्रियों को सीधे सवा घंटे में सूरत पहुंचने की सुविधा मिल जाती थी लेकिन अब दिल्ली होकर ही जाना होगा।

इंदौर से खासतौर पर हीरा और कपड़ा व्यापारियों को देखते हुए इस उड़ान को फिर से शुरू किया गया था। कोविड के पहले भी यह उड़ान चलती थी लेकिन बाद में बंद हो गई थी।

सिंगल कॉलम

बैरागढ़ में दूसरे छोर से भी एलिवेटेड ब्रिज का काम शुरू

भोपाल। संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में प्रस्तावित एलिवेटेड डबल डेकर ब्रिज के लिए लोक निर्माण विभाग ने सीहोर नाका छोर से भी प्रारंभिक काम शुरू कर दिया है। यहां बैरिकेड रखकर बीच का हिस्सा बंद कर दिया गया है। अब पुरानी मिक्स लेन से वाहनों की आवाजाही होती रहेगी। ब्रिज का निर्माण सिंगल पिलर सिस्टम के तहत होगा। इसके लिए मृदा परीक्षण का काम पूरा हो चुका है। विभागीय स्तर पर टेस्टिंग का काम पूरा हो चुका है। पाइल टेस्टिंग के तहत जमीन के अंदर जैक डाले गए हैं। टेस्टिंग में यह बात सामने आई है कि पिलर ब्रिज का वजन सहन करने में सक्षम हैं। पिलर डालने का काम कुछ दिनों के बाद होगा। गौरतलब है कि पिछले साल कैबिनेट की बैठक में 306 करोड़ रुपये की लागत से सिक्स लेन एलिवेटेड डबल डेकर ब्रिज निर्माण को मंजूरी दी गई। प्रदेश सरकार के बजट में भी ब्रिज के लिए प्रविधान किया गया है। ब्रिज का काम पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों की देखरेख में मुंबई की एक कंपनी कर रही है। फ्लायओवर की तरह रोड एलिवेटेड ब्रिज थोड़ी-थोड़ी दूरी पर ऊपर उठता जाएगा। हलालपुर बस स्टैंड के पास सीवेज पंप हाउस इसका प्रारंभिक छोर है। इसका ढलान सीहोर नाके पर होगा। इसकी डिजाइन में थोड़ा बदलाव किया गया है। झूलेलाल विसर्जन घाट के निकट ढलान समाप्त होगी। इस ब्रिज के बनने के बाद भोपाल से सीहोर, देवास, उज्जैन एवं इंदौर की ओर जाने वाले वाहन बाजार में प्रवेश किए बगैर सीधे रवाना हो सकेंगे।

रूस में एमबीबीएस कर रही मैहर की सृष्टि की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश के मैहर की रहने वाली टइइर की छात्रा सृष्टि शर्मा का रूस (रसिया) में एक सड़क हादसे में निधन हो गया। यह खबर मिलने के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सृष्टि के परिजनों ने अंतिम दर्शन के लिए शव भारत मंगाने की मांग की है। इसे लेकर मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग ने भारत सरकार को पत्र लिखकर प्रयास शुरू कर दिए हैं। परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी का शव घर वापस लाया जाए, ताकि वे उसका अंतिम संस्कार कर सकें। जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार दोपहर की है। सृष्टि अपने 6 दोस्तों के साथ टूर पर जा रही थी, जब रास्ते में कार का पहिया निकलने से हादसा हो गया। कार का गेट खुलते ही सृष्टि सड़क पर गिर गई और दूर तक घिसटती चली गई। सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसने सीट बेल्ट नहीं पहना था। कार में सवार ड्राइवर और अन्य छात्रों को कोई चोट नहीं आई है। 22 वर्षीय सृष्टि शर्मा मैहर के पुरानी बस्ती में रहने वाले डॉक्टर रामकुमार शर्मा की बेटी थी। वह रूस के उफा की बश्किर यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी और थर्ड ईयर की छात्रा थी। घटना की सूचना पहले सृष्टि की जूनियर जोया ने फोन पर अपने पिता कलीम को दी, जिन्होंने सृष्टि के घर जाकर उसके माता-पिता को यह दुखद खबर सुनाई। बेटी की मौत की खबर सुनकर माता-पिता बेसुध हो गए, जिन्हें पड़ोसियों ने संभाला। सृष्टि अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी। उसके पिता कई वर्षों से मैहर में क्लिनिक चलाकर लोगों का इलाज करते आ रहे हैं। सृष्टि का सपना डॉक्टर बनने का था और वह मैहर में अपने पिता के क्लिनिक को चलाना चाहती थी। इसी साल उसकी पढ़ाई पूरी होने वाली थी। रूस में पढ़ाई कर रही सृष्टि शर्मा के पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए राज्य सरकार ने भारत सरकार से मदद मांगी है। मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग ने विदेश मंत्रालय से अनुरोध किया है कि रूस में सड़क दुर्घटना में मृत सृष्टि शर्मा के पार्थिव शरीर को भारत लाने में आवश्यक सहायता प्रदान की जाए।

दिग्विजय के भतीजे ने पुलिस को दी घर फूंकने की धमकी

भोपाल। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भतीजे और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह के बेटे आदित्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें आदित्य विक्रम सिंह पुलिस के साथ धक्का-मुक्की करते नजर आ रहे हैं। वे टीआई के मुंह पर सिगरेट का धुआं छोड़ते हैं और फिर सिगरेट के कश लेते हुए महिला एसडीओपी दीपा डोडवे और टीआई जुबेर खान को धमकी भी देते हैं। कहते हैं- ह्यकल पूरी तैयारी के साथ आऊंगा, तुम्हारा घर फूंक दूंगा। यह मामला शुक्रवार को राधौगढ़ के केनरा बैंक तिराहे का है। मैं हूं अभिमन्युह्न अभियान के तहत तिराहे पर जेपी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स द्वारा नाटक नुक्कड़ का आयोजन किया जा रहा था। इस दौरान वहां थाना प्रभारी राघौगढ़ जुबेर खान, पुलिस स्टाफ और कॉलेज के मैनेजमेंट के लोग मौजूद थे। इस दौरान पूर्व सीएम दिग्जिक्य सिंह के भतीजे और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह के बेटे आदित्य विक्रम सिंह और उधम सिंह राजपूत ने आकर हंगामा कर दिया। आदित्य के हाथ में सिगरेट थी, हंगामा करते हुए वे सिगरेट पी रहे थे। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की की।

एयर इंडिया एक्सप्रेस चार नई उड़ानें शुरू करेगा, इस साल के अंत तक 25 जोड़ी उड़ानें शुरू करने की तैयारी में एयरपोर्ट अथारिटी

विंटर सीजन में कोलकात्ता, गोवा उड़ान भी होगी शुरू

सिटी चीफ भोपाल।

24 घंटे उड़ान संचालन के साथ ही भोपाल से एयर कनेक्टिविटी बढ़ने जा रही है। इसकी शुरूआत 27 अक्टूबर को लेट नाइट पुणे उड़ान के साथ होगी। इसी दिन से विंटर शेड्यूल लागू हो जाएगा। विंटर सीजन के बीच में इंडिगो गोवा एवं कोलकात्ता उड़ान भी शुरू करेगा। एयर इंडिया एक्सप्रेस 15 दिसंबर से चार उड़ानों के साथ भोपाल में सर्विस स्टेशन शुरू करने जा रहा है।

राजा भोज एयरपोर्ट से वर्तमान में 16 जोड़ी उड़ानें हैं। प्रतिदिन 32 विमान यहां से उड़ान भरते हैं। एयरपोर्ट अथारिटी का प्रयास है कि इस साल के अंत तक कम से कम 25 जोड़ी उड़ानें हो जाएं। यदि ऐसा हुआ तो हमारा एयरपोर्ट बड़े एयरपोर्टस् की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। प्रतिदिन 50 विमान यहां से उड़ान भरेंगे। विंटर शेड्यूल के लिए अथारिटी से इंडिगो ने पुणे के अलावा गोवा एवं कोलकात्ता

उड़ान का स्लाट लिया है। 29 अक्टूबर से प्रस्ताव कोलकात्ता उड़ान सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार को संचालित होगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 15 दिसंबर से मुंबई, बेंगलुरू एवं हैदराबाद तक उड़ानें शुरू करने की सहमति दी है। 15 जनवरी 2025 से कंपनी दिल्ली उड़ान भी शुरू करेगी।

फ्लायबिग की भी वापसी होगी

देश की छोटी एयरलाइंस कंपनी फ्लायबिग की भी भोपाल में वापसी हो रही है। कंपनी दतिया एवं रीवा तक छोटा विमान चलाएगी। दोनों शहरों में हाल ही में एयरपोर्ट विकसित हुआ है। दतिया के लिए तो कंपनी ने संभावित शेड्यूल भी जारी कर दिया है। अगले छह माह में भोपाल से दुबई उड़ान के रूप में पहली इंटरनेशनल उड़ान शुरू होने की संभावना भी है।

धीरे-धीरे 50 उड़ानें हो जाएंगी

रामजी अवस्थी, एयरपोर्ट डायरेक्टर ने बताया कि विंटर शेड्युल में कुछ रूट पर कंपनियों ने स्लाट ले लिए हैं। कुछ प्रक्रिया में हैं। उम्मीद है किभोपाल से प्रतिदिन 50 नियमित उड़ानें फेरे लगाएंगी। एक अक्टूबर से 24 घंटे एयरपोर्ट खुलने लगा है। जल्द ही इंटरनेशनल उड़ान प्रारंभ होने की उम्मीद भी है।

सीएम यादव ने दशहरा पर धोती कुर्ता पहनकर की मां काली की पूजा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर शस्त्र पूजन किया। मुख्यमंत्री ने पारंपरिक वस्त्र धोती कुर्ता धारण कर वैदिक विधि से शक्ति स्वरूपा मां काली की पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री निवास पर शक्ति, साहस और विजय के प्रतीक के रूप में शस्त्रों के पूजन अवसर पर मुख्यमंत्री सुरक्षा अधिकारी और कर्मचारियों सहित समस्त स्टाफ शस्त्र पूजन का हिस्सा बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयादशमी पर शस्त्र पूजन का महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, जो हिंदू सनातन परंपरा से जुड़ा हुआ है। यह व्यक्ति को उसके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है और अधर्म के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को विजयदशमी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस अवसर पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया और अहिल्या देवी की 300वीं जयंती पर दशहरा पर्व समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया को भी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दशहरे का पर्व हमारी सनातन संस्कृति से जुड़ा हुआ है और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है।

इस वर्ष का दशहरा विशेष रूप से अहिल्या देवी की 300वीं जयंती और राजमाता विजयाराजे सिंधिया के जन्मोत्सव को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि अहिल्या देवी ने सदैव अपने राज्य और अखंड भारत की सुरक्षा के लिए सुशासन का पालन किया। उनका शासन एक उदाहरण है कि उनके राज्य पर कभी आक्रमण नहीं हुआ।

विजयादशमी के अवसर पर मुख्यमंत्री ने पारंपरिक वस्त्र धोती-कुर्ता धारण कर मुख्यमंत्री निवास पर वैदिक विधि से शस्त्रों का पूजन किया। इस अवसर पर सुरक्षा अधिकारी, कर्मचारी और समस्त स्टाफ भी शस्त्र पूजन का हिस्सा बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि शस्त्र पूजन का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, जो हमें अधर्म के खिलाफ लड़ने और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने विजयादशमी को विशेष महत्व देते हुए कहा कि यह पर्व न केवल धार्मिक रूप से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है। देश का पूरा सनातन समाज आज शस्त्र पूजन करके दशहरा मना रहा है। उन्होंने कहा कि दशहरा का त्यौहार हमें शक्ति, साहस और विजय की याद दिलाता है।

डिप्टी सीएम देवड़ा ने भोपाल में किया शस्त्र पूजन, विपक्ष पर साधा निशाना

चुनाव परिणाम पर संतुलन रखे कांग्रेस, करे आत्ममंथन

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी भोपाल में विजयादशमी के अवसर पर पुलिस लाइन, नेहरू नगर में परम्परागत तरीके से शस्त्र पूजन का कार्यक्रम हुआ। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, महापौर मालती रॉय, सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी और रामेश्वर शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में मां भगवती की पूजा अर्चना और शस्त्र पूजन किया गया। इस अवसर मीडिया से बात करते हुए उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कांग्रेस के ड्रग्स की फैक्ट्री के सरगना का उनसे कनेक्शन के आरोप पर कहा कि यह कोई नया काम नहीं हुआ है।

इसलिए लोग उन आश्चर्य भी नहीं करते है। इस प्रकार के काम करने की उनकी परंपरा ही रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की प्रचंड बहुमत से सरकार बन गई। इसके बाद कांग्रेस विधानसभा और लोकसभा का रिजल्ट देखकर विचलित हो गई। उनको विचलित होने के बजाए संतुलन रखना चाहिए और आत्ममंथन करना चाहिए कि कहां उनकी गलती है। प्रजातंत्र में विचलित नहीं होना चाहिए।

शस्त्रों और वाहनों का हुआ पूजन

पुलिस विभाग की परम्परा अनुसार शस्त्रों का पूजन हर वर्ष विजयादशमी के अवसर पर किया जाता है। इस साल भी पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र की अगुवाई में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शस्त्रों, वाहनों और अन्य मशीनरी का पूजन विधिविधान और मन्त्रोचार के साथ किया। कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त अखिल पटेल, सोनाक्षी सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सारिका घारू ने छात्राओं को जागरूक करने के लिए जारी किया गीत

किशोरियों के हित में नए निर्णय लेने की आवश्यकता

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित शक्ति अभिनंदन अभियान में राष्ट्रपति तथा राज्यपाल सम्मान से सम्मानित सारिका घारू ने किशोरियों की उन समस्याओं को रखा जिसके बारे में आम लोग बात नहीं करना चाहते हैं। सारिका ने कहा कि किशोरियों के मासिक धर्म के दौरान आने वाली समस्याओं के लिये सिर्फ सैनेटरी पैड के लिये मशीन लगाने की कुछ बड़े स्कूलों में यदाकदा बातचीत तो होती रहती है लेकिन उनके शारीरिक एवं मानसिक कष्ट की हमेशा ही अवहेलना की जाती है। वर्तमान में सीएम राइज तथा कुछ बड़े स्कूलों में बच्चों को शत प्रतिशत उपस्थिति के आधार पर बच्चों को सम्मानित किया जा रहा है पर उनमें किसी किशोरी की उपस्थति कुछ कम होने का कारण कहीं उसकी ये समस्या तो नहीं है इसका कोई अनुमान नहीं लगाता है। सारिका ने बताया कि मासिक धर्म का आरंभ आमतौर पर मिडिल स्कूल से लेकर हाईस्कूल स्तर पर होता है। इसके लिये किशोरियों को मनोवैज्ञानिक रूप से मजबूत करने में स्कूल की भूमिका कम ही देखी जाती है। कई बार ये किशोरियां इन समस्याओं से पीड़ित होकर उन दिनों स्कूल नहीं आती हैं। महिला कर्मचारियों को तो साल में 7 दिन का अतिरिक्त अवकाश आरंभ कर दिया गया है लेकिन स्कूल में किशोरियों के न आने पर अनुपस्थित माना जाता है ऐसे में वे शत प्रतिशत उपस्थिति के अवार्ड से वे वंचित होकर मानसिक रूप से हतोत्साहित होती हैं। इसलिये किशोरियों की समस्याओं पर व्यापक अनुसंधान कर उनके हित में निर्णय लिये जाने चाहिये। सारिका ने इस अवसर पर जागोरी किशोरी गीत को जारी किया।

पुणे-गोरखपुर-पुणे के मध्य 21-21 ट्रिप चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

भोपाल। रेलवे ने त्योहारी सीजन में अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 01415/01416 पुणे-गोरखपुर-पुणे के मध्य 21-21 ट्रिप समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह गाड़ी भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल एवं बीना स्टेशनों पर हॉल्ट लेकर गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01415 पुणे-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन 22 अक्टूबर 2024 से 11 नवंबर 2024 तक प्रतिदिन पुणे स्टेशन से 06.50 बजे प्रस्थान कर, 21.10 बजे इटारसी ,23.15 बजे भोपाल और अगले दिन 1.25 बजे बीना एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 16.00 बजे गोरखपुर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01416 गोरखपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर 2024 से 12 नवंबर 2024 तक प्रतिदिन गोरखपुर स्टेशन से 17.30 बजे प्रस्थान कर, दुसरे दिन 8.00 बजे बीना, 10.05 बजे भोपाल, 12.10 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 03.15 बजे पुणे स्टेशन पहुंचेगी।

उमंग सिंघार ने सदस्यता रद्द करने का दिया था आवेदन

कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे की विधायकी पर निर्णय अगले सप्ताह

सिटी चीफ भोपाल।

सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे की विधायकी रहेगी या नहीं, इस पर निर्णय अगले सप्ताह हो जाएगा। उन्होंने विधानसभा सचिवालय के दलीय स्थिति को स्पष्ट करने संबंध नोटिस का उत्तर बंद लिफाफे में भेज दिया है। इसे सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के समक्ष अंतिम निर्णय के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

दलबदल कानून के तहत कार्रवाई के लिए आवेदन

लोकसभा चुनाव के समय निर्मला सप्रे ने मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव की उपस्थिति में भाजपा में शामिल होने की घोषणा की थी। उन्होंने सागर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी चंद्र

भूषण सिंह बुंदेला के विरुद्ध काम किया। पार्टी विरोधी इस गतिविधि को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सप्रे के विरुद्ध दलबदल कानून के अंतर्गत विधानसभा की सदस्यता कार्रवाई करने के लिए आवेदन दिया है।

15 दिन में स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश

इस पर सचिवालय ने नोटिस देकर 15 दिन में स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा था पर उन्होंने कोई उत्तर नहीं देते हुए 15 दिन का समय और मांग लिया। अध्यक्ष ने दस दिन का समय दिया। इस अवधि में भी उन्होंने उत्तर न देते हुए 15 दिन और मांगे, जिस पर उन्हें सात दिन का समय दिया गया।

दस अक्टूबर को उन्होंने बंद लिफाफे में उत्तर भेज दिया।

विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह का कहना है कि विधायक ने नोटिस का उत्तर भेजा है, जिसे कार्यालयीन दिवस में विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस मामले में अंतिम निर्णय वही लेंगे। उधर, सूत्रों का कहना है कि निर्मला सप्रे के अब कांग्रेस में बने रहने की संभावना नहीं के बराबर है।

त्यागपत्र देने के लिए निर्देश

भाजपा संगठन की ओर से भी उन्हें त्यागपत्र देने के लिए कहा जा चुका है ताकि बुधनी, विजयपुर के साथ बीना विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव भी साथ में हो जाए। कांग्रेस के दो विधायक दे चुके हैं त्यागपत्र- 16वीं विधानसभा में कांग्रेस के दो विधायक त्यागपत्र दे चुके हैं। लोकसभा चुनाव के समय छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा सीट से विधायक कमलेश शाह ने त्यागपत्र देकर भाजपा की सदस्यता ली थी। वे उपचुनाव में विजयी हुए।

लोकसभा चुनाव के बाद विजयपुर सीट से कांग्रेस के छह बार के विधायक रामनिवास रावत ने त्यागपत्र दिया। वे मोहन सरकार में वन मंत्री बनाए गए। वे उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी होंगे। निर्मला सप्रे भी सदस्यता छोड़ती हैं तो वे ऐसा करने वाली कांग्रेस की तीसरी विधायक होंगी।

सम्पादकीय

हरियाणा के उलटफेर से सबक ले कांग्रेस

यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि लोकसभा चुनावों में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन न कर पाने के बाद भारतीय जनता पार्टी अच्छी तरह से एकजुट हो गई है। पार्टी ने अपने अहं को त्यागकर गठबंधन धर्म की राह पकड़ी है। कांग्रेस को अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी से कुछ तो सबक सीखना चाहिए, यह जानते हुए कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर के जनादेश से कांग्रेस के लिये राष्ट्रीय राजनीति में मुश्किलें बढ़ेंगी। इस बात का अंदाजा इस घटनाक्रम से लगाया जा सकता है कि चुनाव परिणाम आने के बाद आम आदमी पार्टी व शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट ने कांग्रेस को निशाना बनाना आरंभ कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने तो यहां तक घोषणा कर दी है कि दिल्ली विधान सभा के चुनाव पार्टी अकेले ही लड़ेगी।

हरियाणा में वापसी को लेकर बनी बड़ी उम्मीदों के बीच आए अप्रत्याशित चुनाव परिणामों से निश्चय ही कांग्रेस पार्टी सांसत में है। पार्टी का केंद्रीय व राज्य नेतृत्व स्तब्ध है कि आखिर ये क्या और कैसे हुआ। भले ही पार्टी ईवीएम व चुनाव प्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर रही है, लेकिन इसके बावजूद उसे हरियाणा में शिकस्त और जम्मू-कश्मीर में निराशाजनक प्रदर्शन से सबक लेना चाहिए। निश्चय ही इस प्रदर्शन ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की स्थिति को कमजोर कर दिया है। यहां तक कि इंडिया गठबंधन में घटक दलों द्वारा बयानबाजी का दौर तेज हुआ है। वे कांग्रेस के अति आत्मविश्वास को विफलता की वजह बता रहे हैं। निस्संदेह, लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद देश की यह सबसे पुरानी पार्टी पिछले दो आम चुनावों की तुलना में बेहतर स्थिति में नजर आई थी। पार्टी को लोकसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिली थी। वहीं पार्टी के युवा तुर्क राहुल गांधी खासे मुखर थे। लेकिन आठ अक्तूबर के नतीजे के बाद स्थितियां बदल गई हैं। इसके कुछ सहयोगियों, जैसे कि शिव सेना-यूबीटी, सीपीआई और आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को आगामी विधान सभा चुनावों के लिये आत्मनिरीक्षण करने की सलाह दी है। साथ ही अपनी आगामी रणनीति की समीक्षा करने की सलाह भी दी है। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की सीट बंटवारे की बातचीत फिलहाल अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। शिवसेना-यूबीटी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी कांग्रेस इस बदले हालात में सीटों के बंटवारे के लिये बेहतर सौदेबाजी करने का अवसर महसूस कर रही हैं। वहीं कांग्रेस ने अपने गठबंधन के सहयोगियों को तुरंत याद दिलाया है कि उसने इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में अच्छा प्रदर्शन किया था। उसने जिन 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से तेरह पर जीत हासिल की थी। बहरहाल ऐसे तर्कों के बावजूद कांग्रेस पार्टी द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव में की गई चूकों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उसके कई फैसलों को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। गठबंधन में शामिल आप के साथ तालमेल करने के बजाय अकेले चुनाव लड़ना सवालों के घेरे में रहा है। यद्यपि हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन पार्टी द्वारा हासिल 1.79 वोट शेयर ने भाजपा और कांग्रेस में कांटेदार टक्कर के बीच नतीजों पर कुछ असर तो डाला ही है। भले ही कांग्रेस आलाकमान अपने फैसलों को लेकर तर्क देता रहे, लेकिन उसे अपने गठबंधन के साझेदारों के प्रति अधिक उदार होने की जरूरत है। झारखंड में भाजपा के प्रभुत्व के मद्देनजर कांग्रेस को इतना विनम्र तो होना चाहिए कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के बाद दूसरी भूमिका निभा सके। महाराष्ट्र में भी, उसे इस बात को प्राथमिकता देनी चाहिए कि गठबंधन के लिये क्या बेहतर हो सकता है न कि वह अपने पार्टी हितों को प्राथमिकता दे। यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि लोकसभा चुनावों में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन न कर पाने के बाद भारतीय जनता पार्टी अच्छी तरह से एकजुट हो गई है। पार्टी ने अपने अहं को त्यागकर गठबंधन धर्म की राह पकड़ी है। कांग्रेस को अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी से कुछ तो सबक सीखना चाहिए, यह जानते हुए कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर के जनादेश से कांग्रेस के लिये राष्ट्रीय राजनीति में मुश्किलें बढ़ेंगी। इस बात का अंदाजा इस घटनाक्रम से लगाया जा सकता है कि चुनाव परिणाम आने के बाद आम आदमी पार्टी व शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट ने कांग्रेस को निशाना बनाना आरंभ कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने तो यहां तक घोषणा कर दी है कि दिल्ली विधान सभा के चुनाव पार्टी अकेले ही लड़ेगी। हरियाणा चुनावों के अप्रत्याशित परिणामों की एक व्याख्या यह भी की जा रही है कि भाजपा व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीच की दूरियां कम हो गई हैं। यह भी कि हरियाणा के अप्रत्याशित चुनावों में संघ की निर्णायक भूमिका रही है। यह तथ्य इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि संघ का नागपुर मुख्यालय महाराष्ट्र की राजनीति में प्रभावी घटक भी हो सकता है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव : कांग्रेस की हार ने भारतीय राजनीति में खड़े किए नए सवाल

हरियाणा चुनाव में इंडी अलायंस के सपनों की कब्रगाह तैयार हो गई। अब महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली की चुनौती सामने है! चुनाव आयोग के सामने कांग्रेस ईवीएम का संताप जता चुकी। राहुल गांधी समीक्षा बैठक में पार्टी के ही कई नेताओं की लू उतार चुके। हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस को उम्मीद थी और इंडी अलायंस के कई दलों को लगता था कि कांग्रेस उनके लिए बड़े भाई की भूमिका निभाती रहेगी, लेकिन अब छोटे भाइयों ने ही दूर छिटकना शुरू कर दिया। घरों में बंटवारे की हर दीवार की शुरूआत मामूली शिकायतों से होती है। यहां भी हाल यही है कि हर छोटा भाई बड़े भाई से बड़ा बलिदान चाहता है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार ने भारतीय राजनीति में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस, जो एक समय भारत की सबसे प्रभावी राजनीतिक पार्टी थी, अब लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है। यह हार कांग्रेस के लिए सिर्फ एक राज्य चुनाव की हार नहीं है, बल्कि इससे पार्टी की राष्ट्रीय राजनीति और राहुल गांधी की राजनीतिक दिशा पर भी असर पड़ सकता है।हरियाणा में कांग्रेस की हार ने पार्टी की राष्ट्रीय स्थिति को भी कमजोर किया है। जहां कांग्रेस की स्थिति पहले ही कई राज्यों में कमजोर हो चुकी है, इस हार ने पार्टी के भविष्य को लेकर और भी अनिश्चितता बढ़ा दी है। कांग्रेस को न सिर्फ आंतरिक असंतोष का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उसके संगठनात्मक ढांचे में भी कमजोरी नजर आ रही है। यह हार कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी के रूप में देखी जा सकती है। पार्टी को जनता से जुड़े मुद्दों पर और आक्रामकता से काम करना होगा, विशेषकर ग्रामीण और किसान वर्ग के मुद्दों पर जो हरियाणा जैसे राज्यों में अहम हैं। पार्टी का संगठन जिला, तहसील, ब्लॉक स्तर पर मजबूत करना ही होगा। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के जरिए पार्टी में एक नई ऊर्जा का संचार किया था, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन मिला था। लेकिन हरियाणा की हार ने उनके नेतृत्व की चुनौतियों को फिर से उजागर किया है। यह हार एक संकेत है कि सिर्फ भावनात्मक और प्रतीकात्मक राजनीति पर्याप्त नहीं है; जमीनी स्तर पर ठोस रणनीतियों और संगठन की जरूरत होती है। राहुल गांधी के सामने चुनौती सिर्फ विपक्ष से नहीं, बल्कि अपनी पार्टी के भीतर से भी है। उन्हें अब न सिर्फ चुनावी रणनीतियों में बदलाव करना होगा, बल्कि जनता के बीच अपनी विचारधारा को और मजबूत तरीके से पेश करना होगा। किसानों, युवाओं, और महिलाओं जैसे महत्वपूर्ण वोट बैंक पर ध्यान देना उनके लिए आवश्यक होगा। हरियाणा की हार का असर सिर्फ कांग्रेस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके प्रभाव इंडिया गठबंधन पर भी पड़ सकते हैं। इंडिया गठबंधन की सफलता की उम्मीद कांग्रेस के प्रदर्शन पर निर्भर करती है, क्योंकि यह गठबंधन भाजपा के खिलाफ एक साझा विपक्ष के रूप में उभरा है। हरियाणा जैसे महत्वपूर्ण राज्य में हार से गठबंधन की एकता और स्थिरता पर सवाल उठ सकते हैं। यह हार गठबंधन के अन्य दलों के लिए एक सीख हो सकती है कि उन्हें जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन और रणनीतियों पर काम करना होगा। अगर कांग्रेस खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश नहीं कर पाती है, तो गठबंधन के अन्य सदस्य इस नेतृत्व पर प्रश्न खड़े कर सकते हैं। दूसरी ओर, हरियाणा में कांग्रेस की हार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए सकारात्मक संकेत हो सकता है। भाजपा लंबे समय से अपने मजबूत संगठन और नेतृत्व के कारण हरियाणा में अच्छा प्रदर्शन कर रही है, और यह हार भाजपा के लिए भविष्य की राजनीतिक बढ़त के रूप में काम कर सकती है। एनडीए इस जीत को विपक्ष की कमजोरी के रूप में प्रचारित कर रहा है, जिससे आगामी चुनाव में उन्हें फायदा हो सकता है।

यह गठबंधन अपने विकास और राष्ट्रवाद के एजेंडे को और मजबूती से पेश कर सकता है, खासकर उन राज्यों में जहां विपक्षी गठबंधन कमजोर दिखाई देता है। हरियाणा में कांग्रेस की हार भारतीय राजनीति के लिए कई महत्वपूर्ण संदेश देती है। कांग्रेस को अपने संगठनात्मक ढांचे, चुनावी रणनीतियों और जमीनी स्तर पर समर्थन जुटाने के तरीकों पर गहराई से विचार करना होगा। राहुल गांधी को अपनी राजनीति को और स्पष्ट और प्रभावी बनाना होगा, ताकि पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश किया जा सके। कांग्रेस की पकड़ कमजोर हो रही इंडिया गठबंधन के लिए यह समय है कि वह अपने रणनीतिक दृष्टिकोण को पुनः परिभाषित करे, जबकि भाजपा और एनडीए इसे अपने लिए एक अवसर के रूप में देख रहे हैं। इस हार से विपक्ष के सामने नई चुनौतियां हैं, और सत्ता पक्ष के लिए नई संभावनाएँ। हरियाणा की हार भारतीय राजनीति के बदलते परिदृश्य का प्रतीक है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि यह हार कांग्रेस, राहुल गांधी और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को कैसे प्रभावित करती है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार ने इंडिया गठबंधन के भीतर नए समीकरणों और चिंताओं को जन्म दिया है। यह गठबंधन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एनडीए के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी ध्रुव के रूप में उभरा था, लेकिन कांग्रेस जैसी प्रमुख पार्टी की लगातार हार से गठबंधन में तनाव और असमंजस बढ़ सकता है। आम आदमी पार्टी पहले ही हरियाणा में अपने रुख को साफ कर चुकी है।

समाजवादी पार्टी (सपा) उत्तर प्रदेश में एक मजबूत क्षेत्रीय दल है और अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ कई मौकों पर सहयोग किया है, लेकिन हरियाणा की हार के बाद सपा की प्राथमिकताएं बदल सकती हैं। अखिलेश यादव का मुख्य ध्यान उत्तर प्रदेश की राजनीति पर है, जहां कांग्रेस कमजोर स्थिति में है। अखिलेश इस स्थिति का फायदा उठाकर सपा को गठबंधन में और मजबूत करने की कोशिश कर सकते हैं। सपा का रुख अब कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व पर निर्भर करेगा कि वह गठबंधन के भीतर अपनी भूमिका कैसे निभाती है। अगर कांग्रेस अपने राज्यों में चुनावी प्रदर्शन को बेहतर नहीं कर पाती है, तो सपा का रवैया कांग्रेस से दूरी बनाने की ओर भी बढ़ सकता है।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी बंगाल की राजनीति में एक अजेय नेता मानी जाती हैं। हरियाणा में कांग्रेस की हार से ममता बनर्जी को यह समझने का मौका मिल सकता है कि कांग्रेस अब कई राज्यों में प्रभावशाली नहीं रही है। ममता बनर्जी पहले भी कांग्रेस के प्रति स्वतंत्र और निर्णायक रुख अपनाती रही हैं।

हरियाणा की हार के बाद ममता बनर्जी का कांग्रेस के प्रति सहयोग थोड़ा कमजोर हो सकता है। तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में अपनी खुद की शक्ति पर निर्भर है, और ममता यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि गठबंधन के भीतर कांग्रेस पर उनकी निर्भरता कम हो। हालांकि, भाजपा के खिलाफ लड़ाई में दोनों पार्टियों के हित एकजुट हो सकते हैं, लेकिन नेतृत्व की प्राथमिकताएं भिन्न हो सकती हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर में एक प्रमुख पार्टी है, और फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस के साथ लंबे समय से गठबंधन संबंध बनाए रखा है। हरियाणा की हार का नेशनल कॉन्फ्रेंस पर सीधा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसका संकेत यह हो सकता है कि कांग्रेस को अब अपने नेतृत्व की कमजोरी और संगठनात्मक ढांचे पर काम करना चाहिए। चार निर्दलीय विधायकों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन दे दिया है, जिसके बाद अब उमर अब्दुल्ला के समर्थक विधायकों की संख्या 46 हो हो गई है। (पांच मनोनीत सदस्यों को नहीं गिना जाए तो)90 सदस्यों के सदन में उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनने और बने रहने के लिए कांग्रेस की कोई जरूरत नहीं है नहीं है। उमर अब्दुल्ला रुख भी बीजेपी के लिए बदल रहा है और वे केंद्र से सहयोग करते हुए मोदी- मोदी की रट लगाए हुए हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए जम्मू-कश्मीर का मसला सबसे अहम है, और अगर कांग्रेस इस क्षेत्र के मुद्दों पर सक्रिय रूप से काम करती है, तो गठबंधन में तालमेल बना रहेगा। लेकिन अगर कांग्रेस अपने अन्य राज्यों में कमजोर होती है, तो नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस के बिना भी अपनी रणनीतियों पर विचार कर सकती है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का बिहार में अच्छा जनाधार है, और लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के साथ सहयोग जारी रखा है। हरियाणा की हार के बाद, राजद का सहयोग कांग्रेस के साथ बना रह सकता है, लेकिन कांग्रेस को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह भाजपा के खिलाफ मजबूत विकल्प बने। तेजस्वी यादव युवा नेतृत्व के रूप में उभर रहे हैं, और अगर कांग्रेस बिहार में अपनी स्थिति मजबूत करती है, तो राजद के साथ संबंध और बेहतर हो सकते हैं। अगर कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर कमजोर होती है, तो राजद अपनी स्वतंत्र राजनीतिक रणनीति को और अधिक प्रखर बना सकता है। बिहार में महागठबंधन तभी प्रभावी रहेगा जब कांग्रेस खुद को एक मजबूत भागीदार साबित करेगी।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना का धड़ा एनडीए से अलग है और कांग्रेस के साथ गठबंधन में है। महाराष्ट्र में कांग्रेस और शिवसेना ने साथ मिलकर काम किया है, और भाजपा को चुनौती दी है। हरियाणा की हार का शिवसेना पर सीधा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसका मतलब यह हो सकता है कि उद्धव ठाकरे गठबंधन के भीतर और अधिक भूमिका निभाने की कोशिश करेंगे। सामना के ताजे सम्पादकीय राहुल गांधी को राजनीति की शिक्षा दे रहे हैं। शिवसेना का कांग्रेस के साथ संबंध सहयोगी बना रह सकता है, लेकिन उद्धव ठाकरे यह सुनिश्चित करेंगे कि महाराष्ट्र में शिवसेना की नेतृत्व भूमिका मजबूत हो। कांग्रेस को यह समझना होगा कि शिवसेना की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं महाराष्ट्र में कांग्रेस से आगे बढ़ सकती हैं, और यह गठबंधन में संतुलन बनाए रखने की चुनौती हो सकती है। हरियाणा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने भी कांग्रेस की आलोचना शुरू कर दी है। कई दलों का मानना है कि अगर उन्हें उचित सम्मान दिया जाता और चुनावी रणनीतियों में शामिल किया जाता, तो नतीजे अलग हो सकते थे। समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों ने कहा कि कांग्रेस ने गठबंधन को केवल नाम मात्र के लिए इस्तेमाल किया और सहयोगी दलों को जमीनी स्तर पर चुनाव में सक्रिय भूमिका नहीं दी। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने भी स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस को गठबंधन के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए थी।

कांग्रेस की नीतियां और आतंकवाद

जम्मू-कश्मीर में कुछ आतंकी वारदातों के सिवाय देश में कहीं भी बम धमाके नहीं हुए। इसमें महत्वपूर्ण सफलता धारा 370 हटने के बाद मिली, जिससे पत्थरबाजी खत्म होने के साथ विकास की नई इबारत लिखी गई। क्या कांग्रेस इतिहास से कोई सबक सीखेगी।

सुरक्षा बलों ने 4 अक्टूबर को नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर 31 नक्सलियों को मार गिराया। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 24 साल बाद से किसी एक अभियान में माओवादियों-आतंकियों की यह सर्वाधिक मौतों की संख्या है। इस घटना ने देश में आतंकवाद के घाव फिर से हरे कर दिए। देश में हर तरह की आतंकी वारदातें कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में सत्ता में रहने के दौरान शुरू हुईं। कांग्रेस की गलत नीतियों से ऐसी रक्तरंजित घटनाओं का परिणाम अभी तक देश भुगत रहा है। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर का हो, नक्सलियों का, पूर्वोत्तर में या फिर पंजाब में खालिस्तान का रहा हो, देश ने कांग्रेस की गलतियों की भारी कीमत चुकाई है। इसी तरह दशकों तक तीन राज्यों में व्याप्त रहा चंबल के बीहड़ों में डकैतों के अपराधों का काला इतिहास भी कांग्रेस के शासन के दौरान लिखा गया। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि कांग्रेस ने इन गलतियों से सबक नहीं लिया। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर में हो या फिर नक्सलियों का हो, कांग्रेस ने कभी भी केंद्र की मोदी सरकार की तरह सख्ती नहीं दिखाई। इसके विपरीत कांग्रेस का रवैया वोट बैंक की राजनीति के कारण आतंक समर्थकों के प्रति सहानुभूति का रहा है। लापरवाही और उपेक्षापूर्ण नीतियों के साथ ही राजनीतिक फायदे के लिए की गई आतंकवाद की अवहेलना की कीमत कांग्रेस ने भी चुकाई है। 25 मई 2013 को, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नक्सली विद्रोहियों ने छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दरभा घाटी की झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला किया। इस हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ला, पूर्व राज्य मंत्री महेंद्र कर्मा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रमुख नंद कुमार पटेल की मौत हो गई। कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में शासन के दौरान ही तीनों तरह का आतंक पनपा है। इसमें चंबल में डकैतों का काफी हद तक सफाया हो गया। जम्मू-कश्मीर में पाकपरस्त और देश के कुछ राज्यों में नक्सली आतंक अब तेजी से सिमट रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार दोनों तरह के आतंकियों पर काफी हद तक लगाम लगाने में कामयाब रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि 2026 में नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। शाह ने कहा कि 30 साल के बाद पहली बार वामपंथी उग्रवाद से मरने वाले लोगों की संख्या 100 से कम रही है। हिंसा की घटनाओं में करीब 53 फीसदी की कमी आई है। नक्सली हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या 96 की जगह 42 जिले तक सीमित रह गई है। इन 42 जिलों में से 21 जिले नए बने हैं। इनमें से करीब 16 जिले ही नक्सल हिंसा से प्रभावित हैं। देश की सुरक्षा से संबंधित कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम सिर्फ देश की आम अवाम को नहीं, बल्कि केंद्र की भाजपा सरकार को भी भुगतना पड़ रहा है। केंद्र सरकार को आतंकियों से निपटने के लिए न सिर्फ करोड़ों रुपए बहाने पड़ रह हैं, बल्कि पुलिस और सुरक्षा बलों को काफी मानवीय क्षति उठानी पड़ी है। नक्सल आतंकवाद का उदय पश्चिमी बंगाल से कांग्रेस शासन के दौरान ही हुआ था। यह फैलते हुए देश के करीब आठ राज्यों में तक पहुंच गया। इनमें से ज्यादातर राज्यों और केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही। कांग्रेस की तत्कालीन सरकारें नक्सलियों की रोकथाम करने में विफल रहीं। केंद्र और राज्य मिलकर काम नहीं कर सके। नक्सली देश के लिए नासूर बन गए। मौजूदा केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार ने खून-खराबा करने वाले नक्सलियों को जड़ से उखाड़ने की ठान ली है। नक्सली प्रभावित राज्यों की तरह जम्मू-कश्मीर भी आतंकवाद की आग में अभी तक सुलग रहा है। इस अशांत केंद्रशासित प्रदेश में आजादी के बाद से ही नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस का शासन रहा है। केंद्र की कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर की सरकार आतंकियों को सबक सिखाने में पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान की शह पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद ने सिर उठाया। नेशनल कान्फ्रेंस, कांग्रेस और दूसरे क्षेत्रीय दल आतंकियों के प्रति नरम रवैया रखते रहे। आतंकियों के समर्थन में पत्थरबाजी की घटनाओं ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया। धारा 370 और 35-ए के कारण विशेष दर्जा प्राप्त इस प्रदेश में यह कानून आंतकियों की ढाल बनता रहा है। आतंकी वारदातों के बावजूद कांग्रेस ने कभी भी इस कानून को खत्म करने का प्रयास नहीं किया। इसके विपरीत मुस्लिम वोटों के कारण कांग्रेस कभी भी भाजपा जैसी सख्ती नहीं दिखा पाई। नौबत यह आ गई कि पाकपरस्त आतंकी संगठनों ने केंद्र में कांग्रेस के शासन के दौरान देश में बम धमाके करके कानून-व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर दिया। केंद्र की कांग्रेस सरकार की नाकामी और ढुलमुल सुरक्षा नीति के कारण देश की सुरक्षा व्यवस्था लगभग चौपट हो गई। पाकपरस्त आतंकियों के हौसले इतने बढ़ गए कि 13 दिसंबर, 2001 को दिल्ली के संसद भवन पर हुए आतंकी हमले में नौ लोगों की मौत हो गई।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ अंतिम चरण में

अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। 5 नवंबर को मत डाले जाएंगे, यानी मतदान में एक महीना भी नहीं बचा है। राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति पद के लिए होने वाली बहस पूरी हो चुकी है और कई राज्यों में प्रारंभिक मतदान भी शुरू हो चुके हैं। इसका मतलब है कि मतदाताओं का एक हिस्सा अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुका है। दोनों प्रमुख उम्मीदवार- डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी व मौजूदा उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस और रिपब्लिकन उम्मीदवार व पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जरूरी वोट की उम्मीद में अब देश भर में घूम रहे हैं। इस समय विशेषकर, एरिजोना, जॉर्जिया, मिशिगन, नेवादा, उत्तरी कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया, विस्कॉन्सिन जैसे अहम राज्यों के जनमत सर्वेक्षण बता रहे हैं कि इन दोनों प्रत्याशियों की दौड़ फिलहाल बराबरी पर है। हैरिस को जरूर कुछ फायदा मिलता हुआ दिख रहा है, लेकिन मत-संख्या के हिसाब से यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं लग रहा। राजनीतिक विश्लेषक बेहद नजदीकी मुकाबले की संभावना जता रहे हैं और मतों को लेकर बहुत संतुष्ट नहीं हैं। पिछले 10 चुनावों में से नौ में सटीक भविष्यवाणी करने वाले अमेरिकन यूनिवर्सिटी के इतिहासकार एलन लिक्टमैन भी उप-राष्ट्रपति को बढ़त दे रहे हैं, पर सर्वेक्षणों की तरह वह भी मुकाबले को काफी नजदीकी मान रहे हैं। दरअसल, राष्ट्रपति चुनाव का माहौल उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस की दावेदारी के बाद बदला। उनका नाम तब सामने आया, जब राष्ट्रपति जो बाइडन ने बीमारी का हवाला देकर यह चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। बाइडन तमाम सर्वेक्षणों में ट्रंप से पीछे चल रहे थे और ट्रंप भी बाइडन की कमजोर नसें लगातार दबा रहे थे। वह उनकी उम्र, कार्यकाल, महंगाई व आव्रजन चुनौती आदि मसलों पर लगातार हमलावर थे। मगर ट्रंप की तुलना में अधिक युवा और सक्रिय कमला हैरिस के मैदान में आते ही पूरा समीकरण बदल गया।

हैरिस विशेष रूप से डेमोक्रेटिक मतदाताओं और उदार वोटरों पर अपनी पकड़ बनाने में सफल साबित हुई हैं। उनका चुनाव अभियान बाइडन की नीतिगत सफलता को आगे बढ़ाने, खुद को डेमोक्रेटिक पार्टी का नया चेहरा पेश करने और देश को आगे ले जाने के वायदे के आस-पास केंद्रित है। इसी का नतीजा है कि चुनावी दौड़ काफी नजदीकी और दिलचस्प बन गई है। हालांकि, आने वाले हफ्तों में काफी कुछ बदल भी सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि राष्ट्रपति चुनाव का अभियान काफी अप्रत्याशित होता है और चुनाव न सिर्फ प्रत्याशियों द्वारा, बल्कि बाहरी घटनाओं से भी प्रभावित होता है। इनमें से कुछ घटनाएं तो राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल सकती हैं। राष्ट्रपति पद के लिए पूर्व में चुनाव लड़ चुकीं डेमोक्रेट हिलेरी क्लिंटन ने हाल ही में अपने एक भाषण में अक्तूबर सरप्राइज की उचित याद दिलाई। अक्तूबर सरप्राइज उस अप्रत्याशित घटना को कहते हैं, जो चुनाव के अंतिम दिनों में हवा का रुख बदल देती है। हिलेरी क्लिंटन खुद भी इसकी शिकार रही हैं, जब साल 2016 में एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी की आखिरी वक्त में उनकी ई-मेल जांच के बारे में की गई घोषणा से चुनावी बयार अचानक बदल गई। अधिकांश विश्लेषक मानते हैं कि इसी कारण हिलेरी क्लिंटन को हराने में ट्रंप सफल रहे, जबकि जनमत सर्वेक्षणों में वह भारी अंतर से आगे चल रही थीं। इस साल भी अक्तूबर में चार घटनाएं हुई हैं, जो चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकती हैं।

रिश्वत न देने पर हॉस्टल वार्डन को पद से हटाया

एनजीओ को दिया हॉस्टल का संचालन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, मामला बड़ा है बड़े बड़े लोग है, मामला है दिव्यांग बच्चो के भविष्य का उन पर किए जाने वाले शासन के द्वारा खर्च का, मामला है जिला शिक्षा परियोजना अधिकारी डीपीसी महेंद्र यादव एवम एम आर सी एवम प्रभारी एपीसी आईडी विनय मिश्रा के भ्रष्टाचार का।

अनुपपुर के जिला मुख्यालय में वार्ड नंबर 09 में स्थित दिव्यांग छात्रावास का का संचालन राज्य शिक्षा केन्द्र की गाइडलाइन के अनुसार जिला शिक्षा केंद्र द्वारा संचालित किया जा रहा था, जिसके अनुसार माननीय पूर्व कलेक्टर आशीष वशिष्ठ जी द्वारा अनुपपुर की शिक्षिका नंदनी पटेल को आदेश जारी करते हुए छात्रावास के वार्डन का प्रभार सौंपा था, नंदनी पटेल द्वारा छात्रावास का संचालन सफलता पूर्वक किया जा रहा था पर प्रभारी एपीसी आईडी विनय मिश्रा द्वारा बजट दिलाने को लेकर कई बार नंदनी पटेल से पैसे की मांग की जा रही थी जिसमे विनय मिश्रा भोपाल के अधिकारियों के नाम पर पैसों की मांग नंदनी पटेल से करता रहता था जिसकी लिखित शिकायत वॉर्डन नंदनी पटेल द्वारा कलेक्टर साहब को दी गई थी , परंतु डीपीसी महेंद्र यादव और विभाग के अन्य सदस्यों द्वारा नंदनी को बहला फुसलाकर कर बात आगे न बड़ाने के लिए मना लिया ,

एवं नंदनी द्वारा पुनः छात्रावास संचालन किया जाने लगा

पर डीपीसी महेंद्र यादव एवम एपीसी आईडी विनय मिश्रा द्वारा कूट रचित तरीके से एनजीओ से फायदा लेते हुए या ये कहे की एनजीओ से रिश्वत लेते हुए एनजीओ को छात्रावास संचालन का आदेश बीच सत्र में ही कर दिया गया , जबकि राज्य शिक्षा केंद्र की गाइडलाइन में स्पष्ट है की छात्रावास का संचालन जिला शिक्षा केंद्र द्वारा ही किया जाएं ।।

इस मामले में कई महत्वपूर्ण सवाल है जैसे माननीय कलेक्टर महोदय से सबूत सहित लिखित शिकायत के बाद भी विनय मिश्रा पर कोई कार्यवाही क्यों नहीं की गई ,

जैसे राज्य शिक्षा केंद्र की गाइडलाइन की अवहेलना क्यू की गई

जैसे आधा सत्र बीत जाने के बाद भी बिल बाउचर पर विनय मिश्रा ने साइन क्यू नही किए

अभी तक वार्डन द्वारा छात्रावास संचालन हेतु जो खर्च स्वयं के द्वारा वहन किए गए उसका क्या होगा

क्या सच में भोपाल में बैठे उचाधिकारी बजट आवंटन हेतु पैसों की मांग करते है

और क्या रिश्वत न देना वार्डन को उनके द्वारा छात्रावास संचालन में अपने वेतन से खर्च की गई राशि जितना महंगा पड़ेगा ,

बहरहाल इतनी बात तो तय है की दिव्यांग बच्चो के हक की राशि हड़पने के लिए कई लोग लगे हुए है और उनकी पहुंच बहुत उपर तक है। इस पूरे मामले की सच्चाई प्रदर्शित करता वीडियो भी उपलब्ध है।।

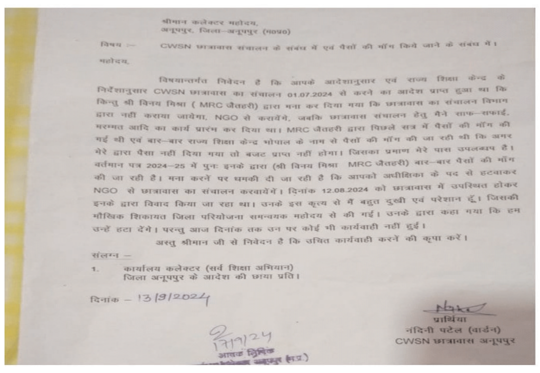
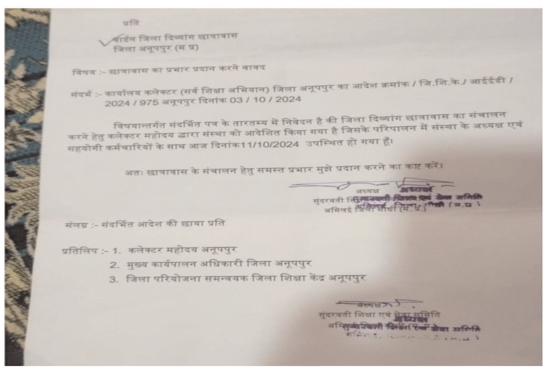
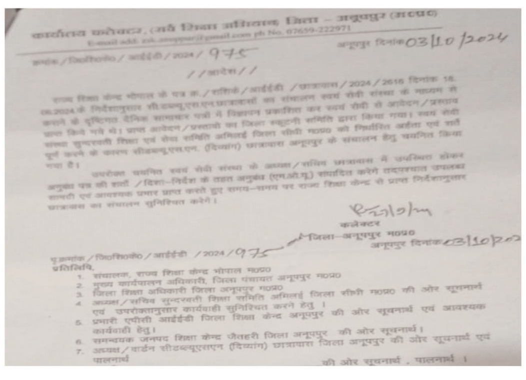
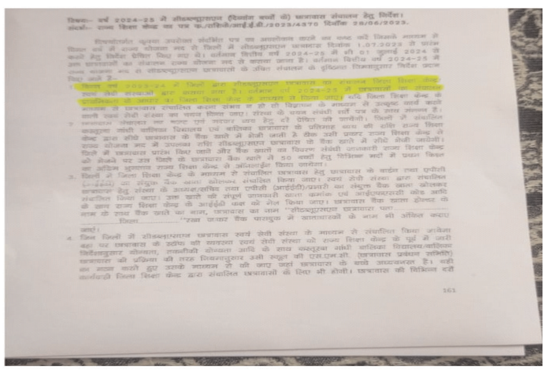

अशोभनीय फेसबुक पोस्ट करने वाले के विरुद्ध कान्हीवाड़ा थाना में अपराध पंजीबद्ध

लालबर्रा (सिवनी), जिला सिवनी अन्तर्गत आने वाले थाना कान्हीवाड़ा में अशोभनीय फेसबुक पोस्ट करने वाले के विरुद्ध पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध किया है। जानकारी अनुसार श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में कि जा रही लगातार सोशल मीडिया मानिटरिंग व ऐसे लोग जो सामाजिक व धार्मिक वैमनस्य पैदा करने के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म का गलत उपयोग कर सौहार्द बिगाड़ने के लिए सामाजिक व धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली पोस्ट शेयर करते हैं उनके विरुद्ध सतत् कार्यवाही करने के पालन में व जिन्हें सचेत करने के लिए लगातार सायबर जागरुकता अभियान भी लगातार चलाया जा रहा है बावजूद एक व्यक्ति आरोपी दिलीप करवेती पिता विपत लाल करवेती उम्र 32 साल निवास ग्राम कुडो मुण्डरई थाना कान्हीवाड़ा द्वारा फेसबुक पर मां देवी को लेकर अशोभनीय पोस्ट डालने पर प्राप्त शिकायतों पर तत्काल व संवेदनशीलता से संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ अधिकारी महोदयो के निर्देशन में उक्त व्यक्ति के विरुद्ध सुसंगत धाराओ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कानून व्यवस्था के पालन में विधिवत कार्यवाही कि गई।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी ओमेश्वर ठाकरे के नेतृत्व में एस आई बलवंत टेकाम,एस आई अंकिता जैन,ए एस आई प्रेम परतेती, प्रधान आरक्षक देवन पन्द्रें, आरक्षक सुरेश चौहान, आरक्षक शिव करपे, आरक्षक संतोष साहू, आरक्षक रुपेश उइके, सहित अन्य सभी कर्मचारियों कि सरहानीय भूमिका रही है।

झिंझरी पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन में शामिल होने पहुंचे सांसद बीडी शर्मा

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के झिंझरी पुलिस लाइन में दशहरे के अवसर पर सांसद और प्रदेशाध्यक्ष बीडी शर्मा शस्त्र पूजन में पहुँचे। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कर शस्त्र पूजन किया।

इस अवसर पर मीडिया कर्मियों से बात करते हुए खजुराहो के सांसद वी डी शर्मा ने कहा की वे सरकार और मध्यप्रदेश के मुख्य मंत्री मोहन यादव को बधाई देते है की वह वे इस वृष शास्त्र पूजा के लिए जो एक नई परंपरा प्रारंभ की है। ये वास्तव में ही हमारी संस्कृति है। ये हमारी परम्परा में हमेशा से ही रहा है की हर घर में अपने अस्त्र शास्त्र की पूजा करते आ रहे है और ये पूजा मां दुर्गा की आराधना के बाद शक्ति अर्जित करते हुए समाज में दुरावस्थाए है उन्हे दूर करने के लिए और समाज की रक्षा के लिए आज शास्त्र की पूजा कर हम संकल्प लेते है। इस शास्त्र पूजा के मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन, कलेक्टर दिलीप यादव, उप पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया, सीएसपी ख्याति मिश्रा सहित पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें। इसके साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, भाजपा नेता पीताम्बर टोपनानी, राम रतन पायल, सुरेश सोनी, सचिन तिवारी, नवीन मोटवानी विजय गुप्ता, शशिकांत तिवारी, रामचंद्र तिवारी, मृदुल मिश्रा, रामचंद्र तिवारी, सुनील उपाध्याय सहित समस्त थाना प्रभारी चौकी प्रभारी सहित पुलिस लाइन के आरआई सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

अहंकारी रावण का दहन करने निकली श्रीराम की सेना

आतिशबाजी के साथ हुआ 75 फीट ऊंचे रावण का दहन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।शाजापुर, स्थानीय श्रीकृष्ण व्यायाम शाला से भगवान राम की सेना शोभायात्रा के रूप में शनिवार शाम को रावण का दहन करने के लिए रवाना हुई। शोभायात्रा में भगवान राम, लक्ष्मण, वीर हनुमान और शिवजी रथ पर आसीन थे। शोभायात्रा में नगर के दशहरा उत्सव समिति के सदस्यों के साथ-साथ गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। शोभायात्रा की शुरूआत से पहले श्रीकृष्ण व्यायाम शाला स्थित हनुमान मंदिर में विधायक अरूण भीमावद, कलेक्टर ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत सहित अन्य गणमान्य नागरिकों के द्वारा महाआरती की गई। इसके बाद शोभायात्रा नगर के किला रोड़, छोटा चौक, आजाद चौक, सोमवारिया बाजार, मगरिया चौराहा, काछीवाड़ा, बस स्टैंड, एबी रोड़, दुपाड़ा रोड़ से होते हुए स्टेडियम ग्राउंड पर पहुंची जहां रावण दहन के पूर्व भव्य आतिशबाजी की गई। तत्पश्चात भगवान् राम के रूप में सजे कलाकार और अन्य अतिथियों द्वारा शमी के पेड़ की पूजा की गई।

75 फीट ऊंचे रावण का हुआ दहन उल्लेखनीय है कि दशहरा उत्सव समिति द्वारा इस वर्ष 75 फीट ऊंचे रावण के पुतले का निर्माण कराया गया था। उज्जैन के कलाकारों के द्वारा राजस्थानी लूक में तैयार किया गया रावण का पुतला आकर्षण का केंद्र रहा। राजस्थानी लूक के साथ ही इस बार रावण का चेहरा भी नये कलाकारों ने स्वरूप में बनाया था। रात के समय विधि-विधान के साथ पूजन कर भव्य आतिशबाजी के बाद स्टेडियम ग्राउंड पर अहंकार के प्रतीक रावण का दहन किया गया। रावण दहन को देखने के लिए नगर के हजारों लोग स्टेडियम ग्राउंड पर मौजूद थे।

कटनी के कैमोर में किया गया 102 फीट के ईको-फ्रेंडली रावण का दहन

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी मुख्यालय से 37 किमी की दूरी में बसा औद्योगिकी नगरी कैमोर में इस बार 102 फीट का रावण बनाया गया था। जिसका इलेक्ट्रिक बाण से अंत हो गया। संजय पाठक ने बताया की कैमोर के दहशरा का इतिहास दशकों पुराना है, जिसे ईको-फ्रेंडली बनाने के लिए बांस, मिट्टी, रस्सी और कपड़े का प्रयोग करते हैं। कैमोर दशहरे में सबसे बड़ा योगदान एसीसी अडानी ग्रुप कंपनी का है, जो इस परंपरा को पिछले 87 वर्ष से जारी रखे हुए है। मुख्य अतिथि संजय पाठक ने बताया कि मध्यप्रदेश के कई जिलों से लोग कैमोर का दशहरा देखने आते हैं। इसके लिए कम्पनी देश की प्रसिद्ध रामलीला मंडली बुलाती है, जो पूरे नौ दिनों तक भगवान श्रीराम के जीवन चरितार्थ दिखाते हैं और अंतिम दिन यानी दशहरे की रात भगवान श्रीराम द्वारा इलेक्ट्रिक बाण के प्रयोग करते हुए इस बार 102 फीट रावण का दहन किया गया, जो पूरे दशहरे का आकर्षण का केंद्र भी है। यह पर्व इस बात का प्रतीक है कि बुराई कितनी भी बड़ी क्यों न हो। लेकिन उनके अंत के लिए महज एक सच्चाई रूपी तीर ही काफी होता है। कंपनी हेड वैभव दीक्षित ने बताया कि कटनी जिले के कैमोर का रावण और दशहरा पूरे देश में प्रसिद्ध है, जिसे देखने लाखों लोग यहां आते हैं। वही प्रदेश के पूर्व मंत्री और क्षेत्र के स्थानीय विधायक संजय पाठक ने इस पर्व को असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक वाला पर्व बताया है, जिनके अनुसार प्रभु श्रीराम का जीवन बताता है हमें कैसे एक पुत्र, भाई से लेकर राजा बनना चाहिए। बता दें, इस बड़े आयोजन को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन और कम्पनी के सुरक्षा कर्मियों की टीम तीन स्तरीय घेरा बनाती है। इसके अलावा सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से निगरानी बनाए रखते हैं, ताकि कोई दुर्घटना न हो सके।

विजय दशमी पर शस्त्र पूजन के साथ निकला पथ संचलन...कदमताल करते निकले स्वयंसेवक

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल एवं दुर्गा वाहिनी खंड सुनेरा द्वारा विजय दशमी के मौके पर शनिवार को शस्त्र पूजन किया गया। इस मौके पर उमा बरेठा ने कहा कि बहनों को अपनी सुरक्षा के लिए मजबूत होकर तलवार-लाठी चलाना आना चाहिए। इस मौके पर उदासी, प्रज्ञा धाकड़, बुलबुल, संध्या उदासी, मोना, आयुषी, सौम्या, विजय पटेल, गोपाल उदासी, इंद्रजी, नरेंद्रजी, हरीशजी, तुषारजी, मनीष, विनोद, नरेंद्र आचार्य, विक्रम सूबेदार सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वयंसेवक संघ का निकला पथ संचलन
विजयादशमी के मौके पर शाजापुर शहर में परंपरानुसार ढंग से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन में शामिल स्वयं सेवक कदम ताल करते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से निकले जिनका जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत-सत्कार किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष दशहरा पर्व पर संचलन निकालने की परंपरा है, जिसका इस वर्ष भी निर्वहन किया गया। सुबह करीब 8 बजे संचलन की शुरूआत हुई।

मंत्री परमार ने किया शस्त्र पूजन
उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दरसिंह परमार ने विजयदशमी पर पुलिस लाइन शाजापुर में शस्त्र पूजन किया। इस दौरान उन्होंने हवन भी किया। तत्पश्चात पुलिस जवानों द्वारा हर्ष फायर भी किए गए। इस अवसर पर विधायक अरुण भीमावद, कलेक्टर ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत, अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी मनीषा वास्कले, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट विक्रमसिंह मालवीय आदि मौजूद थे।

मक्सी के समीप पड़े बाइक सवार युवक को घायल को पहुंचाया अस्पताल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, मक्सी के समीप घायल अवस्था में पड़े मिले परिवार को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बिचपड़ी उज्जैन निवासी बाइक सवार संतोष पिता मानसिंह, कान्हा पिता संतोष, सीमा पति संतोष और बहन राजूबाई शनिवार को घायल अवस्था में मक्सी के समीप पड़े हुए थे, जिन्हे शाजापुर अस्पताल पहुंचाया गया। सभी घायलों का भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

अनियंत्रित बाइक रेलवे ओवरब्रिज से नीचे आ गिरी

हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से हुए घायल, अस्पताल में भर्ती

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । देवबंद (सहारनपुर) । तल्हेड़ी बुजुर्ग क्षेत्र में एक अनियंत्रित बाइक रेलवे ओवरब्रिज से नीचे आ गिरी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गागलहेड़ी के गांव कैलाशपुर निवासी रोहित और रमन के साथ बाइक द्वारा अंबोली गांव में स्थित अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे। जब वह तल्हेड़ी बुजुर्ग रेलवे स्टेशन के समीप बने ओवरब्रिज के ऊपर से गुजरने लगे तो अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर नीचे जमीन में आ गिरी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी मिलने घायल के परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया है। हादसा बाइक अनियंत्रित होने के कारण हुआ है।

राम जी की लीला हमें सिखाती है कि हमें राम जी के आदर्शों पर चलना चाहिए :- पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग

समिति के पदाधिकारियों ने पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग को पटका, शॉल व पगड़ी पहनाकर तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर । देवबंद, श्री राम जानकी लीला मंचन समिति दुर्गा कालोनी रेलवे रोड के तत्वावधान में चल रही श्री राम लीला में बीती रात बहुत सुंदर लीला दिखाई गई। मुख्य अतिथि विपिन गर्ग अध्यक्ष नगर पालिका देवबंद द्वारा विधि- विधान से पूजन किया गया। श्री राम जी को विपिन गर्ग द्वारा प्रथम तिलक किया गया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग ने कहा श्री राम जी की लीला हमें सिखाती है कि हमें श्री राम जी के आदर्शों पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा जब श्री राम वनवास में गए तो वे श्री राम बनकर गए लेकिन जब वे वापस अयोध्या आए तो वे भगवान श्री राम बनकर आए। हम सबको अपने बच्चों को श्री राम चरित्र मानस का पाठ पढ़ाना चाहिए। समिति के पदाधिकारियों ने पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग को पटका, शॉल व पगड़ी पहनाकर तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष लक्की वर्मा ने कहा की श्री राम लीला का मंचन सुंदर और सफल रहा है। राम भक्तों का हमें भरपूर समर्थन मिला है

और अगले वर्ष बड़े हर्षोल्लास के साथ श्री राम लीला मंचन का आयोजन समिति द्वारा किया जाएगा। निर्देशक नरेश शर्मा ने लीला का मंचन सुंदर व शानदार दिखाया। इस अवसर पर वैभव अग्रवाल, सभासद विपिन त्यागी, सभासद अंकित राणा, पूर्व सभासद विनय कुच्छल, आलोक खटीक ,श्री निवास त्यागी, अंशुल वर्मा, अभिषेक त्यागी, लवली सूरी, तनुज गर्ग, दिनेश ऋषि, ऋषि कपूर, संजय सलूजा, देवपाल राणा, मनोज राणा, मनोज शर्मा, गुड्डू राठी, पंडित कालिका प्रसाद, पंडित भुवनेश, पंडित दाताराम आदि उपस्थित रहे।

मां के जयकारों के बीच भादवा माता के लिए निकली सायकल यात्रा

मंदसौर। प्रतिवर्षा अनुसार इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर गुरवार अष्ठमी को नगर के नरसिंहपुरा से सांवलिया ग्रुप कुमावत बंधु के तत्वावधान में मां भादवा माता मंदिर तक सायकल यात्रा निकाली गई।
क्षेत्र की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर प्रतिवर्षा अनुसार इस वर्ष भी नगर के नरसिंहपुरा क्षेत्र से करीब 40 साइकिल यात्रियों का एक जत्था मां भादवा माता के लिए रवाना हुआ। गुरुवार को नरसिंहपुरा श्री राम जानकी मंदिर से साइकिल यात्रियों को पुष्पमाला पहनाकर कुमावत समाज के पटेल कन्हैयालाल टांक कांनजी, राजकुमार बाथरा, बलराम पटेल, हेमन्त कुमावत, विपुल टांक आदि गणमान्य नागरिकों द्वारा यात्रियों को रवाना किया गया साथ ही उनकी मंगल यात्रा की कामना की गई। वही रामटेकरी परशुराम गेट पर विधायक विपिन जैन, कुमावत समाज अध्यक्ष राधेश्याम बरानिया, शुभम कामराज आदि ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया है। जानकारी देते हुए हरिशंकर कुमावत ने बताया कि माता के भक्तों की यह चौथी यात्रा है, जिसमें करीब 40 साइकिल यात्री शामिल है। यह साइकिल यात्री माता भादवा के दरबार में पहुंचेंगे। जहां आस्था के साथ शीश नवाया जाएगा और विशेष पूजा-अर्चना भी की जाएगी।

बड़वानी में स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलनः सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

सेंधवा

बड़वानी जिले में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा दशहरा पर्व पर शनिवार को अंजड़ नगर में अलग-अलग बस्तियों में पथ संचलन निकाला। जिनका नगर के अलग-अलग सामाजिक और धार्मिक संगठनों द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा अंजड़ नगर को चार प्रमुख बस्तियों में बांटा गया। जिसमें प्रताप बस्ती, आजाद बस्ती, शिवाजी बस्ती और सुभाष बस्ती। जिसमें सभी बस्तियों का अलग-अलग समय पर अपनी-अपनी बस्तियों में पथ संचलन घोष के साथ निकाला गया।सुभाष बस्ती का पथसंचलन सुबह 12 बजे अक्षरधाम कॉलोनी से निकाला गया जो बस्ती मे भ्रमण करने के बाद रुद्रेश्वर महादेव मंदिर पहुंचा। सुभाष बस्ती में शारीरिक प्रमुख रवि धन नगर ने बौद्धिक दिया और अध्यक्षता नरपत पुरोहित द्वारा की गई। वही प्रताप बस्ती का पथ संचलन सुबह 12 बजे कृष्ण कुंज कॉलोनी से निकाला गया। जिसमें बौद्धिक प्रमुख के रूप संतोष यादव ने बौद्धिक दिया।जबकि शिवाजी बस्ती का पथ संचलन

दोपहर 2 बजे से श्री खाटू श्याम मंदिर से निकाला गया। जिसमें बौद्धिक प्रमुख के रूप में मधु धनगर ने बौद्धिक दिया। अध्यक्षता बाबूलाल व्यास ने की। इसी तरह से आजाद बस्ती का पथ संचलन दोपहर 2 बजे से लायंस सभा गृह से निकाला गया। जिसमें बौद्धिक प्रमुख के रूप में कृष्णा तोमर तथा खण्ड संघ चालक धर्मेंद्र जैन उपस्थित रहे।सभी बौद्धिक प्रमुखों ने संबोधित करते हुए कहा- आमजनों में राष्ट्र भक्ति की भावना को जागृत करने, भारत को परम वैभवशाली बनाने तथा सनातन धर्म को एकजुट करने के संकल्प के लिए डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने विजया दशमी के दिन 1925 में संघ की स्थापना की जो आज विश्व का सबसे बड़ा स्वयं सेवी संगठन के रूप में काम कर रहा है।आज पूरा विश्व भारत की और देख रहा है और हमे भारत को विश्व गुरु बनाना है लेकिन वर्तमान में देश विदेश कई आसुरी बाधा डालने का कार्य कर रही है और हमारे सनातन धर्म को जातियों में बांटने का काम कर रही है। हमें समाज मे सामाजिक समरसता का भाव जगाना होगा साथ ही कुटुंब प्रबोधन के तहत परिवारों को टूटने से बचाने और संयुक्त परिवार की परिकल्पना को साकार करना होगा।सुभाष बस्ती का पथसंचलन सुबह 12 बजे अक्षरधाम कॉलोनी से निकाला गया जो बस्ती मे भ्रमण करने के बाद रुद्रेश्वर महादेव मंदिर पहुंचा। सुभाष बस्ती में शारीरिक प्रमुख रवि धन नगर ने बौद्धिक दिया और अध्यक्षता नरपत पुरोहित द्वारा की गई। वही प्रताप बस्ती का पथ संचलन सुबह 12 बजे कृष्ण कुंज कॉलोनी से निकाला गया। जिसमें बौद्धिक प्रमुख के रूप संतोष यादव ने बौद्धिक दिया।

मंत्री चेतन्य काश्यप के मुख्य आतिथ्य में वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच जिला पुलिस लाइन में हुआ शस्त्र-पूजन

महापौर प्रहलाद पटेल, जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप उपाध्याय, कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने किया शस्त्र -पूजन

रतलाम, । भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुरूप दशहरा पर्व रतलाम में उत्साह, उमंग के साथ जिला पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन कर मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप की उपस्थिति में जिले का मुख्य शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ।बुराई पर अच्छाई की जीत के महापर्व विजय दशमी पर पुलिस लाइन में आयोजित हुए कार्यक्रम में मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप उपाध्याय, कलेक्टर श्री राजेश बाथम, पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार सहित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने भारतीय संस्कृति के विधि- विधानों के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच पवित्र यज्ञ में आहुतियाँ देकर शस्त्र पूजन किया। इसके बाद मंगल आरती की गई।इस वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में दशहरा पर्व सरकार और समाज मिलकर धूमधाम के साथ मना रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार मंत्री श्री चेतन्य काश्यप की मौजूदगी में इस साल दशहरा पर्व पर रतलाम जिला पुलिस लाइन में शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया।ग्रामीण विधायक श्री मथुरालाल डामर, महापौर श्री प्रहलाद पटेल, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप उपाध्याय, श्री कन्हैयालाल मौर्य, श्री बजरंग पुरोहित, श्री मनोहर पोरवाल, श्री शैलेंद्र डागा, श्रीमती आशा मौर्य, श्री निमिष व्यास, श्री सुशील सारस्वत, श्री बलवंत भाटी, श्री जयवंत कोठारी, श्री मनोज शर्मा, श्रीमती सोना शर्मा, श्री शैलेन्द्र सिंह सिसोदिया, श्री अरुण त्रिपाठी, श्री दशरथ पाटीदार, श्री विप्लव जैन, श्री विनोद करमचंदानी आदि उपस्थित रहे।

संजय चव्हाण (महाराष्ट्र हेड)

लोकेश कनगराज ने जाहिर की विजय के साथ लियो 2 बनाने की इछा फिल्म के नाम से भी उठाया पर्दा

साउथ फिल्म निर्देशक लोकेश कनगराज इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म कुली पर काम कर रहे हैं। फिल्म में सुपरस्टार रजनीकांत मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस बीच अब लोकेश ने अपनी फिल्म लियो के सीक्वल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्हें लियो 2 बनाने की इछा है। साथ ही उन्होंने इस फिल्म के शीर्षक से भी पर्दा उठाया।

क्या होगा लियो 2 का शीर्षक हाल ही में लोकेश कनगराज ने लियो पार्ट 2 की संभावना के बारे में खुलासा किया। लोकेश ने पहले साउथ सुपरस्टार विजय के साथ लियो बनाई थी। अब विजय ने हाल ही में निर्देशक एच विनोत के साथ अपनी आखिरी फिल्म दलपति 69 का एलान किया है। वहीं, अब लियो 2 का भविष्य कुछ साफ दिख रहा है। ऐसे में लोकेश ने कहा कि अगर भविष्य में मौका मिला तो वह विजय के साथ लियो 2 बनाएंगे और इसका नाम पार्तिबन रखेंगे।

विजय करेंगे लियो 2 में अभिनय? ऐसे में प्रशंसक चाहते हैं कि लोकेश अपनी इस फिल्म पर काम करेंगे, लेकिन विजय ने राजनीति में प्रवेश के बाद वहां अपना ध्यान लगाने के लिए अभिनय से संन्यास लेने का फैसला किया है और अब दलपति 69 अभिनेता की आखिरी फिल्म है। ऐसे में विजय के साथ लियो 2 का होना संभव नहीं है। इस फिल्म को बनाने से पहले विजय को इसे हरी झंडी देनी होगी।

अगले साल रिलीज होगी कुली वहीं, लोकेश कनगराज कुली की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म में रजनीकांत के साथ श्रुति हासन, सत्यराज, सौबिन शाहिर और महेंद्रन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कुली फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया गया है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर संगीत निर्देशक हैं। वहीं, फिल्म को 2025 में रिलीज करने की योजना है। जानकारी के मुताबिक कुली लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स की फिल्म नहीं होगी।

गेम चेंजर की नई रिलीज डेट का आधिकारिक एलान फिल्म से राम चरण का नया पोस्टर भी जारी

साउथ सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। लगातार फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आ रही हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए अभिनेता ने निर्देशक एस शंकर से हाथ मिलाया है। दर्शक बेसब्री से फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। बीते दिन यह खुलासा हुआ था कि यह फिल्म तय समय पर रिलीज नहीं होगी और इसकी रिलीज डेट को आगे खिसकाने का एलान किया गया था। वहीं, अब निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज की तारीख का आधिकारिक एलान कर दिया है।

फिल्म निर्माता एस शंकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग 2021 में शुरू हुई थी। हालांकि, विभिन्न तकनीकी कारणों से इस परियोजना में कई बार देरी हुई, जिससे प्रशंसक निराश हो गए। हालांकि, बहुत लंबे इंतजार के बाद गेम चेंजर को आखिरकार रिलीज की तारीख मिल गई है। पहले बताया गया था कि राम चरण अभिनीत इस फिल्म को 2025 तक के लिए टाल दिया गया है। वहीं अब तारीख से भी पर्दा उठा दिया गया है। राम चरण ने दशहरा के खास मौके पर अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास पोस्ट के साथ गेम चेंजर की रिलीज डेट की घोषणा की। अभिनेता ने अपनी पोस्ट में लिखा, आप सभी को दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं... 10 जनवरी को सिनेमाघरों में मिलते हैं। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म से राम चरण का नया पोस्टर भी जारी किया है। पोस्टर में राम चरण दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक शंकर ने हाल ही में फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू किया है, अब वे कुछ सीन से खुश नहीं हैं। दावा किया गया है कि फिल्म निर्माता अब फिल्म के कुछ हिस्सों को फिर से शूट करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे एक संक्षिप्त शेड्यूल में पूरा किया जाएगा। इसी कारण इस फिल्म की रिलीज डेट को टाला गया है। पहले यह फिल्म 20 दिसंबर 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार थी। शंकर द्वारा निर्देशित गेम चेंजर एक राजनीतिक थ्रिलर है, जिसकी कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। फिल्म में राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम और नवीन चंद्रा अहम भूमिकाओं में हैं। खबर है कि चरण एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस द्वारा निर्मित गेम चेंजर में संगीत थमन ने दिया है, छायांकन तिरू ने किया है और संपादन शमीर मुहम्मद ने किया है।

जब करीना ने करिश्मा को बताया कि सैफ अली खान को कर रही हैं डेट, बोलीं- उस समय मेरे दोस्त थे...

हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित बहनों की शानदार जोड़ी की बात करें तो उनसे सबसे पहले नाम आता है करिश्मा कपूर और करीना कपूर की जोड़ी। दोनों ही बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्री की लिस्ट में शुमार हैं। कपूर खानदान एक-दूसरे के प्रति अटूट बंधन और प्रेम के लिए मशहूर है। हाल ही में, दोनों बहनों ने नेटफ्लिक्स के कपिल शर्मा द्वारा होस्ट किए गए कॉमेडी द ग्रेट इंडियन कपिल शो में दोनों बहनों ने अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। करीश्मा ने यह भी बताया कि जब करीना ने सैफ को डेट करना शुरू किया था तब यह सुनकर वह आश्चर्यचकित रह गई थीं

करीना ने जब करिश्मा को बताई थी सैफ को डेटिंग की बात करीना द्वारा सैफ के साथ अपने रिश्ते के बारे में पहली बार बात करने के बारे में बात करते हुए, करिश्मा ने बताया कि यह लंदन में हुआ था और इससे वह लगभग आश्चर्यचकित हो गई थीं। करिश्मा ने बताया, करीना ने वाकई में मुझसे कहा कि वह जो कहना चाहती थी, उसे कहने से पहले मैं कहीं बैठ जाऊं। मुझे इसकी ज़रूरत समझ में नहीं आई, लेकिन लंदन के स्टोर में जहां मैं खरीदारी कर रही थी, मुझे एक सोफा मिल गया। वह इस तरह से बोली, बात यह है कि, मैं सैफ से प्यार करती हूं। हम साथ हैं। हम डेट कर रहे हैं और मैं सोफे को और कसकर पकड़ना चाहती थी।

करिश्मा की प्रतीक्रिया करिश्मा ने कहा कि उन्हें इस बात को समझने में थोड़ा समय लगा कि करीना सैफ को डेट कर रही हैं। करिष्मा ने कहा, मुझे यह सब समझने में एक सेकंड लगा। सैफ मेरे दोस्त और मेरे को-स्टार थे। फिर, कपिल ने करीना से पूछा कि क्या सैफ ने पहले अपने प्यार का इजहार किया या उन्होंने। करीना ने कहा, मुझे जानते हुए, मैं पहले कबूल करती। मैं उसे सीधे बताऊं कि मैं हमारे बारे में क्या महसूस करती हूं। करीना ने आगे कहा, हर कोई जानता है कि मैं अपनी खुद की पसंदीदा हूं। इसलिए किसी और को बताने से पहले, मुझे पहले उसे बताना था।

काम की बात करें करिश्मा कपूर, जो हाल ही में नेटफ्लिक्स के शो मर्डर मुबारक में नजर आई थीं, रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर को भी जज कर रही हैं। दूसरी ओर, द बकिंघम मर्डर्स में अपने शानदार अभिनय के लिए प्रशंसा बटोर रहीं करीना कपूर, रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम रिटर्न्स में नजर आएंगी। यह फिल्म दीवाली पर रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में करीना के अलावा अजय देवगन, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर नजर आएंगे।

नयनतारा ने साझा की विजयादशमी की तस्वीरें, पति विग्नेश के साथ इस अंदाज में मनाया का त्योहार

अभिनेत्री नयनतारा सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़ी रहती हैं। नयनतारा ने अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पति विग्नेश के साथ दशहरा पर तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही प्रशंसकों को विजयादशमी की बधाई भी दी है। इससे पहले नयनतारा ने पति विग्नेश के साथ सिंदूरी लाल साड़ी में फोटो साझा की थी। नयनतारा के इस साड़ी लुक को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था। अब नयनतारा पर विजायदशमी पर बधाई देते हुए परिवार के साथ एक खास वीडियो भी साझा किया है।

नयनतारा ने तस्वीरें साझा कर दी दशहरा की बधाई अभिनेत्री नयनतारा ने सोशल मीडिया पर दशहरा मनाते हुए तस्वीरें साझा की हैं। अपनी इस पोस्ट पर नयनतारा ने लिखा, अच्छाई हमेशा बुराई पर विजय प्राप्त करे। मां दुर्गा का आशीर्वाद इस विजयादशमी पर आपके जीवन में शांति, सफलता और खुशियां लेकर आए। इस शुभ दिन पर आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएं और आप जीवन के हर मोड़ में विजयी हों। हमारी तरफ से आपको विजयादशमी की शुभकामनाएं। इस पोस्ट के साथ ही नयनतारा ने अपने घर पर बनी रंगोली की फोटो साझा की है।

पति और बच्चों के साथ बांटी मिठाई नयनतारा ने अपने पति विग्नेश और बच्चों के साथ सभी को दशहरा की शुभकामनाएं दी हैं। तस्वीर में नयनतारा मंदिर में गणेश जी के मूर्ति के पास बैठी हैं। पोस्ट के साथ नयनतारा ने वीडियो भी साझा किया है, इसमे वह लोगों को मिठाई बांटती नजर आ रही हैं।

प्रशंसकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया नयनतारा के इस पोस्ट पर बहुत सारे प्रशंसकों ने भी प्रतिक्रिया दी है। नयनतारा के पोस्ट पर एक प्रशंसक ने कहा आपका परिवार बहुत अच्छा है। एक प्रशंसक ने कहा, आप बिल्कुल सही उम्र में अपने बच्चों को सही सीख दे रहे हैं। आपकी परवरिश पर हमें नाज है। एक अन्य यूजर ने कहा, हैप्पी दशहरा, आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। आप सबकी मदद कर रहे हैं।

भूल भुलैया 3 की रिलीज से पहले विद्या बालन ने किया क्रिप्टिक पोस्ट, गड़े मुर्दे उखाड़ने का...

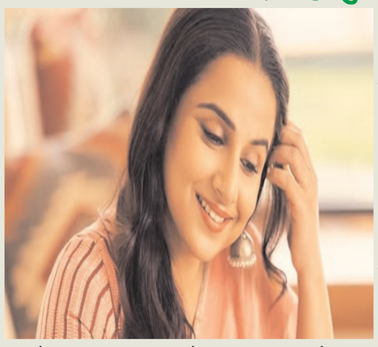

ही भूल भुलैया 3 में नजर आने वाली हैं। अपनी फिल्म को लेकर विद्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। उन्होंने अपनी क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। उन्होंने डरावने हाव भावों के साथ ये सोशल मीडिया पोस्ट की है। विद्या बालन अपनी इस पोस्ट में लिखा, गड़े मुर्दे उखाड़ने का वक्त आ गया है 17 साल बाद..मैं आ रही हूं...अमी मंजुलिका। भूल भुलैया 3 की रिलीज से पहले विद्या की इस पोस्ट ने यूजर्स का ध्यान खींचा है। विद्या बालन की इस पोस्ट पर प्रशंसकों के कई तरह के कमेंट्स भी आ रहे हैं। विद्या को उनकी चालाकी और चतुराई के लिए जाना जाता है। विद्या ने एक शॉर्ट वीडियो साझा किया है। विद्या बालन की फिल्म इस दिवाली सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली है।

पोस्ट के साथ कही ऐसी बात अपनी पोस्ट के साथ विद्या ने कहा, 12 अक्तूबर 2007 में 17 साल पहले भूल भुलैया पहली बार रिलीज हुई थी। मुझे आज भी मंजुलिका कहा जाता है..जहां भी मैं जाती हूं। मुझे फिर से अपने इसी किरदार को निभाने का मौका मिला है. थैंक यू मंजुलिका, थैंक यू भूल भुलैया और धन्यवाद उन सभी का जो मुझे कल भी प्यार करते थे और हर रोज इस प्यार का एहसास करवाते हैं।

फिल्म में होंगे दो क्लाइमेक्स फिल्म के डायरेक्टर ने बताया कि फिल्म के प्री क्लाइमेक्स तक ही स्टारकास्ट ने फिल्म को देखा है। इस फिल्म को लेकर डायरेक्टर ने कहा, सिर्फ मैं और टीम के तीन दूसरे मेंबर्स ही असल एंडिंग के बारे में जानते हैं। हमने दो क्लाइमैक्स शूट किए हैं। टीम को भी नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ। हमने क्लाइमेक्स शूट किया लेकिन फिर टीम को बुलाया और कहा मजा नहीं आ रहा है।

जानिए किस फिल्म में अनुष्का शर्मा को शाहरुख खान लगे थे सबसे हॉट, आप भी वजह से होंगे सहमत

शाहरुख खान के साथ फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री अनुष्का शर्मा काफी खुले विचारों की हैं। वह अपनी मन की बात को कहने में कभी भी हिचकिचाती नहीं हैं। फिर चाहे वह किसी अभिनेत्री की तारीफ हो या फिर किसी अभिनेता के गुड लुक्स की बात हो। एक इंटरव्यू के दौरान अनुष्का ने खुलासा किया कि उन्हें बॉलीवुड किंग खान किस फिल्म में अब तक सबसे यादा हॉट दिखाई दिए।

इस फिल्म में शाहरुख दिखे सबसे हॉट फिल्म जब तक है जान के प्रमोशन के दौरान दिए गए एक पुराने इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा ने बताया कि वह शाहरुख खान से हमेशा कहती थीं कि वह स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म चक दे इंडिया में सबसे हॉट लग रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह उस फिल्म में दाढ़ी की वजह से सबसे हॉट लग रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब तक है जान के बारे में बात करते हुए अनुष्का ने आदित्य चोपड़ा से पूछा कि क्या शाहरुख इस फिल्म में दाढ़ी रखेंगे। अनुष्का ने आगे कहा, तो, आदि ने कहा, हां हां मैं सोच रहा हूं। मैंने कहा, सही सोच रहे हो, ऐसा ही होना चाहिए, दाढ़ी होनी चाहिए। अनुष्का ने आगे कहा कि, उनकी राय में, शाहरुख दाढ़ी और वर्दी में सबसे हॉट लग रहे थे। शाहरुख की ओर मुड़ते हुए, उन्होंने उनकी तारीफ करते हुए कहा, मुझे लगता है कि आप इस फिल्म में सबसे हॉट लग रहे हैं।

शाहरुख के साथ अनुष्का इन फिल्मों में कर चुकी हैं काम अनुष्का शर्मा ने 2008 में शाहरुख खान के साथ रोमांटिक कॉमेडी रब ने बना दी जोड़ी से सभी का दिल जीत लिया था। अनुष्का ने 2012 में कैटरीना कैफ के साथ यश चोपड़ा की फिल्म जब तक है जान में फिर साथ में काम किया। शाहरुख और अनुष्का ने इम्तियाज अली की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म जब हैरी मेट सेजल में भी काम किया। वे आखिरी बार फिल्म जीरो में एक दूसरे के साथ नजर आए थे, जिसमें कैटरीना भी थीं।

अदा शर्मा ने हॉरर फिल्म 1920 को लेकर किया खुलासा, आगामी शो रीटा सान्याल को लेकर बताईं खास बातें

अदा शर्मा एक भारतीय फिल्म अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं की फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। अदा ने महिला प्रधान सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म द केरला स्टोरी और बस्तर जैसी शानदार फिल्मों में भी दमदार अभिनय किया और दर्शकों का दिल जीत लिया। अदा ने अपनी हॉरर फिल्म 1920 को लेकर एक चौंकाने वाला खुलाया किया, जिसे सुनकर कोई भी हैरान हो जाएगा। इसके अलावा रीटा सान्याल को लेकर भी किए कई खुलासे। सनफ्लावर में एक विचित्र किरदार निभाने वाली अदा शर्मा अब अपने आने वाले शो रीटा सान्याल में 10 अलग-अलग भूमिकाएं निभाती नजर आएंगी। शो से पहले एक इंटरव्यू में अदा ने बताया कि कैसे लोगों ने उन्हें उनकी फिल्म 1920 के दौरान विदेशी समझ लिया था। अपने शो रीटा सान्याल के बारे में अदा ने कहा, मैं आपको यह नहीं बता सकती कि एक अभिनेता के रूप में मैं कितनी भाग्यशाली महसूस करती हूं। मुझे लोगों के लहजे, उनकी नकल करना पसंद है और मुझे शो में 10 अलग-अलग लोगों के रूप में यह सब करने का मौका मिला। अदा शर्मा खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें अपने फिल्मी करियर में कभी टाइपकास्ट नहीं किया गया और उन्हें अलग-अलग भूमिकाएं निभाने का अवसर मिला। एक इंटरव्यू के दौरान अदा ने बताया कि उनकी पहली हॉरर फिल्म 1920 के बाद ही उन्हें स्टीरियोटाइप कर दिया गया था। उन्होंने कहा, लोगों को लगा कि मैं विदेशी हूं। मैंने नीला लेंस पहना हुआ था और मैं वास्तव में पीली दिख रही थी। सूरज नहीं था। हम लंदन में बिल्कुल भी टैन नहीं हुए थे। वहां ठंड थी, इसलिए मैं नीली आंखों वाली गोरी दिखती थी और

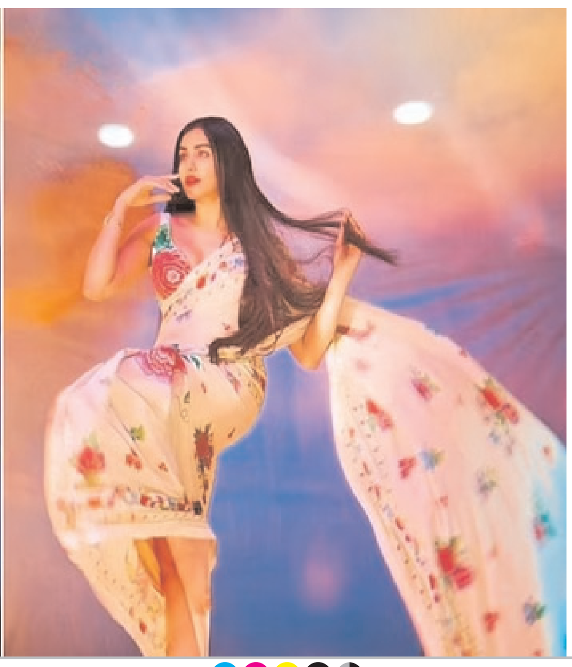

लोगों को लगता था कि मैं विदेशी हूं और उन्हें लगा कि मुझे हिंदी नहीं आती। अदा ने कहा कि यह गलतफहमी काफी लंबे समय तक चली। अदा ने आगे कहा, मैं ऐसी इंसान हूं, जो अपनी ही बातों को स्पष्ट करने में बहुत खराब हूं। रीटा सान्याल शो का निर्देशन अभिरूप घोष ने किया है और इसे अमित खान ने लिखा है। यह शो 14 अक्तूबर, 2024 को डिज्नी+ हॉटस्टार पर प्रीमियर के लिए तैयार है। यह सीरीज रीटा सान्याल नाम की एक वकील पर आधारित है, जो जटिल कानूनी मामलों से निपटने के लिए जानी जाती है, क्योंकि वह कानूनी और आपराधिक दोनों दुनिया में चुनौतियों का सामना करती है। कीलाइट प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह सीरीज डिज्नी+ हॉटस्टार मोबाइल ऐप पर मुफ्त में स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी, जिसके एपिसोड सोमवार से शुक्रवार तक रिलीज होंगे।

ईरान से व्यापार करने वाली भारतीय कंपनी पर लगाया बैन

इंटरनेशनल डेस्क: इजरायल पर किए गए मिसाइल हमले के जवाब अमेरिका ने ईरान द्वारा इज़रायल पर किए गए मिसाइल हमले के जवाब में वैश्विक स्तर पर लगभग दर्जन भर कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन प्रतिबंधित कंपनियों में भारत की गब्बारो शिप सर्विसेज भी शामिल है, जो अपने टैंकर हार्नेट के जरिए ईरानी तेल की एशियाई देशों में आपूर्ति करती थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, गब्बारो शिप सर्विसेज का टैंकर हार्नेट तथाकथित घोस्ट फ्लीट का हिस्सा है, जो ईरान से पेट्रोलियम पदार्थों की अवैध आपूर्ति के लिए कुख्यात है। अमेरिका के इस कदम का उद्देश्य ईरान के तेल व्यापार पर अंकुश लगाना और इज़रायल पर किए गए हमले के लिए ईरान को आर्थिक रूप से दंडित करना है।इन प्रतिबंधों के तहत अब प्रतिबंधित कंपनियां अमेरिकी वित्तीय प्रणाली का उपयोग नहीं कर सकेंगी और अमेरिकी बाजारों में व्यापार करने से रोक दी जाएंगी। अमेरिका ने

यह कार्रवाई ईरान के साथ तेल व्यापार में शामिल कंपनियों पर कड़ा संदेश देने के लिए की है। 1 अक्टूबर को ईरान द्वारा इज़रायल पर मिसाइल हमला किए जाने के बाद यह प्रतिबंध लगाया गया है, जिसमें अमेरिका ने इज़रायल का समर्थन करते हुए ईरानी तेल व्यापार से जुड़े संगठनों को निशाना बनाया है। अमेरिका द्वारा भारतीय कंपनी गब्बारो शिप सर्विसेज और अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंध, ईरान और इज़रायल के बीच बढ़ते तनाव और ईरानी तेल व्यापार पर लगाम कसने की दिशा में एक बड़ा कदम माने जा रहे हैं।

ईरान और इज़रायल के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा है, जो कई बार सैन्य संघर्ष में बदल जाता है।

1 अक्टूबर 2024 को ईरान ने इज़रायल पर मिसाइल हमले किए, जिनमें कई नागरिक और इज़रायली ठिकाने निशाना बने। यह हमला क्षेत्रीय संघर्ष को और गहरा कर गया और अमेरिका के साथ इज़रायल की सुरक्षा को चुनौती देने का काम किया।

अमेरिका की सख्त कार्रवाई

इस हमले के जवाब में अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक मोर्चे पर सख्त कार्रवाई की। अमेरिकी प्रशासन ने सीधे तौर पर ईरान की तेल अर्थव्यवस्था को निशाना बनाया। अमेरिका ने ईरान के साथ व्यापार करने वाली लगभग दर्जन भर कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए, जिनका मुख्य कारोबार ईरानी तेल का निर्यात और वितरण करना है।

गब्बारो शिप सर्विसेज का किरदार

भारत की गब्बारो शिप सर्विसेज उन कंपनियों में शामिल है, जो ईरान से तेल आयात कर इसे एशियाई देशों में सप्लाई करती है। यह कंपनी अपने टैंकर हार्नेट के माध्यम से ईरानी पेट्रोलियम उत्पादों की ढुलाई करती है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह टैंकर ईरान की घोस्ट फ्लीट का हिस्सा है। घोस्ट फ्लीट उन जहाजों और टैंकरों के नेटवर्क को संदर्भित करता है, जो प्रतिबंधों से बचने के लिए अपनी गतिविधियों को छिपाते हुए तेल का अवैध रूप से परिवहन करते हैं।

प्रतिबंधों का प्रभाव

अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के तहत गब्बारो शिप सर्विसेज और अन्य कंपनियां अमेरिकी वित्तीय प्रणाली में कोई व्यापारिक गतिविधि नहीं कर सकेंगी। इसका मतलब है कि इन कंपनियों की अमेरिकी बैंकों में जमा राशि फ्रीज़ हो जाएगी और उन्हें अमेरिकी डॉलर में कारोबार करने की अनुमति नहीं होगी। यह कदम ईरान के तेल निर्यात को सीमित करने की दिशा में है, क्योंकि ईरान की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा तेल व्यापार पर निर्भर है।

एशियाई देशों से ईरान के व्यापारिक संबंधों पर पड़ेगा असर

ये प्रतिबंध न केवल ईरानी तेल व्यापार को प्रभावित करेंगे, बल्कि उन एशियाई देशों के साथ भी ईरान के व्यापारिक संबंधों पर असर डालेंगे, जो ईरानी तेल का आयात करते हैं। भारत, चीन, और अन्य एशियाई देश, जो ईरानी तेल का बड़ा बाजार हैं, इस प्रतिबंध से सीधे प्रभावित हो सकते हैं।

ईरान के तेल व्यापार पर कड़ी निगरानी

अमेरिका के इन प्रतिबंधों के बाद ईरान के तेल व्यापार पर कड़ी निगरानी रहेगी। इसके अलावा, ऐसी कंपनियाँ जो ईरान से तेल आयात करती हैं, उन्हें अपने व्यापारिक मॉडल में बदलाव करना पड़ सकता है। एशियाई बाजारों में ईरानी तेल की आपूर्ति कम होने से तेल की कीमतों में अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ेगा कूटनीतिक तनाव

इस कार्रवाई से अमेरिका-ईरान के बीच कूटनीतिक तनाव और बढ़ सकता है। साथ ही, भारत जैसी तटस्थ भूमिका निभाने वाले देशों पर भी दबाव बनेगा कि वे किस प्रकार से अपनी ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करते हैं, खासकर जब उनके व्यापारिक साझेदारों पर प्रतिबंध लगते हैं।

भारतीयों के लिए स्पेशल वीजा लाया अमेरिका

हर 4 महीने में होगा जारी...6 साल तक रहने का मिलेगा मौका

नेशनल डेस्क- अमेरिका में भारतीय पेशेवरों के लिए एक नई वीजा योजना की शुरुआत होने जा रही है। इस योजना के तहत एच कैटेगरी वीजा जारी किया जाएगा, जिसमें लगभग 25,000 भारतीयों को वीजा दिया जाएगा।

क्या है एच कैटेगरी वीजा?

H कैटेगरी वीजा मुख्य रूप से अमेरिका के हार्टलैंड स्टेट्स में पेशेवरों को काम करने का अवसर प्रदान करेगा। हार्टलैंड स्टेट में मिशिगन, डकोटा, अलाबामा, कैंटकी, मिसौरी, नेब्रास्का, ओहायो जैसे राज्यों को शामिल किया गया है। ये राज्य न्यूयॉर्क, टेक्सास और फ्लोरिडा जैसे आर्थिक रूप से विकसित राज्यों की तुलना में कम विकसित माने जाते हैं।

बाइडेन सरकार का उद्देश्य

बाइडेन प्रशासन का मानना है कि भारतीय पेशेवरों को इन राज्यों में वीजा जारी करने से वहां के आर्थिक विकास में तेजी आएगी। भारत से आने वाले पेशेवरों को ध्यान में रखते हुए यह योजना बनाई गई है। खासकर जब अमेरिका में ग्रीन कार्ड के लिए लंबी प्रतीक्षा सूची है।

वीजा की शर्तें

- काउंटी का चयन- अमेरिका सरकार ने उन 100 काउंटियों का चयन किया है जहां भारतीय पेशेवरों को वीजा दिया जाएगा।
- रहने की शर्त- वीजा जारी होने के एक साल तक पेशेवर को उसी काउंटी में रहना होगा। इससे उम्मीद है कि वे उस क्षेत्र के विकास में अपना योगदान देंगे।

वीजा प्रक्रिया

-वीजा आवंटन- हर चार महीने में वीजा जारी किए जाएंगे और हार्टलैंड स्टेट संघीय सरकार को अपनी जरूरतों के अनुसार डिमांड बताएगा।

-वीजा की अवधि- प्रारंभ में तीन साल के लिए वीजा जारी किया जाएगा, जिसे 6 साल तक बढ़ाया जा सकेगा।

-स्थाई निवास- छह साल के बाद, पेशेवर स्थायी निवास (परमानेंट रेजिडेंसी) के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह योजना भारतीय पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो अमेरिका में काम करने और बसने का सपना देख रहे हैं।

ब्राजील में शक्तिशाली तूफान ने बरपाया कहर

सात लोगों की मौत व साओ पाउलो में 14 लाख घरों की बिजली गुल

इंटरनेशनल डेस्क: ब्राजील के साओ पाउलो में आए एक संक्षिप्त लेकिन शक्तिशाली तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दक्षिण अमेरिका के इस सबसे बड़े महानगर में शनिवार को लगभग 14 लाख घरों की बिजली गुल हो गई। साओ पाउलो के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात 67 मील (108 किलोमीटर) प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान के कारण बिजली पारेषण लाइन प्रभावित हुईं और बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए, जिसके कारण कुछ हिस्सों में गंभीर क्षति हुई।राज्य सरकार के अनुसार, तूफान के कारण कई हवाई अड्डों को भी बंद करना पड़ा और कई क्षेत्रों में पेयजल सेवा भी बाधित हुई। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत उस वक्त हुई जब एक पेड़ उखड़कर एक दुकान पर गिर गया। उन्होंने बताया कि इस तूफान के कारण साओ पाउलो के आसपास के क्षेत्रों में कम से कम छह अन्य लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों को उम्मीद थी कि वे तूफान समाप्त होने के बाद के कुछ घंटों के भीतर बिजली पारेषण बहाल कर लेंगे, लेकिन लोग शनिवार को भी अंधेरे का दंश झेलते रहे, इतना ही नहीं संबंधित अधिकारी स्थानीय निवासियों से पानी की सीमित खपत का आग्रह करते भी नजर आए। इस महानगरीय क्षेत्र में कम से कम दो करोड़ 10 लाख रहते हैं।

चीन का मुकाबला करने के लिए भारत बनाएगा परमाणु पनडुब्बियां

इंटरनेशनल डेस्क: भारत ने अपनी सुरक्षा और सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने दो परमाणु शक्ति संचालित पनडुब्बियां बनाने और 31 अमेरिकी ड्रोन खरीदने का फैसला किया है। इस योजना की कुल लागत लगभग 35,000 करोड़ रुपये (4.2 अरब डॉलर) आंकी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य चीन की क्षेत्रीय सैन्य ताकत का सामना करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने बुधवार को इस महत्वपूर्ण निर्णय पर मुहर लगाई। हालांकि, अधिकारियों ने इस

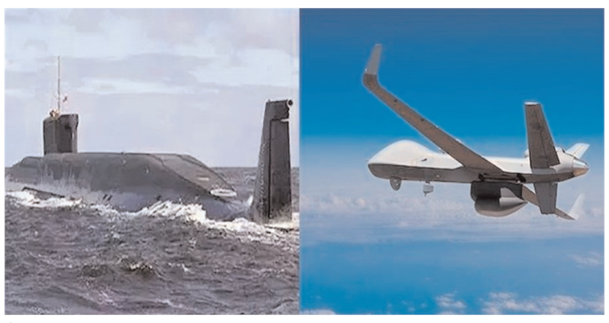

फैसले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए अपनी पहचान गुप्त रखी है।पहली बार भारत में बनेगी परमाणु पनडुब्बी

भारत में यह पहली बार होगा जब स्थानीय शिपयार्ड में परमाणु संचालित पनडुब्बियों का निर्माण होगा। ये पनडुब्बियां पारंपरिक हथियारों से लैस होंगी। परमाणु पनडुब्बियां डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों से कई गुना बेहतर होती हैं, क्योंकि वे अधिक तेज़ होती हैं, लंबे समय तक पानी में रह सकती हैं और इनका आकार बड़ा होता है, जिससे अधिक हथियार और आपूर्ति ले जाई जा सकती है। परमाणु पनडुब्बी तकनीक अब तक केवल कुछ ही देशों, जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन और रूस के पास थी।ॅन्न्झ साझेदारी के तहत ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका भी ऐसी पनडुब्बियां बना रहे हैं। इन पनडुब्बियों और ड्रोन के शामिल होने से भारत की भारतीय महासागर क्षेत्र में निगरानी और सुरक्षा क्षमताएं काफी मजबूत होंगी। भारत, क्वाड (चौकड़ी) समूह का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान भी शामिल हैं। यह समूह चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए कार्य करता है। इसके अलावा, भारत 31 अमेरिकी स्त्र्-9क्व ड्रोन भी खरीदेगा, जो जनरल एटॉमिक्स कंपनी द्वारा निर्मित हैं। यह ड्रोन लगभग 48 घंटे तक उड़ान भर सकता है और 1,700 किलोग्राम तक का भार उठाने की क्षमता रखता है। इन ड्रोन से भारतीय नौसेना को दक्षिणी भारतीय महासागर में चीनी युद्धपोतों पर नजर रखने और भारतीय सेना को भारत-पाकिस्तान सीमा पर लक्ष्यों को निशाना बनाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली के बवाना फैक्ट्री में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

नेशनल डेस्क ̄ राष्ट्रीय राजधानी के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में रविवार को एक फैक्टरी में आग लग गई दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया, हमें सुबह नौ बजकर 20 मिनट पर बवाना औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर-3 में एक फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली।

आग बुझाने के लिए कुल 16 दमकल गाड़ियों को भेजा गया। डीएफएस अधिकारी ने बताया कि

दमकलकर्मी अब भी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को भी दे दी है।

इजरायल ने हिजबुल्लाह के 200 ठिकानों पर किए हमले, 24 घंटों में 50 लड़ाके किए ढेर

इंटरनेशनल डेस्क: इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बीच इजरायली रक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में हिजबुल्लाह के खिलाफ जोरदार कार्रवाई करते हुए 50 आतंकवादियों को मार गिराया है। इजरायली सेना के मुताबिक, दक्षिणी लेबनान में आमने-सामने की मुठभेड़ों और वायु सेना के हमलों में आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया। IDF ने बताया कि उन्होंने भूमिगत सुरंग शाफ्ट, हथियार भंडारण बुनियादी ढांचे, रॉकेट लॉन्चर, मोर्टार बम, और एंटी-टैंक मिसाइलों सहित 200 से अधिक हिजबुल्लाह के लक्ष्यों पर हमले किए हैं। उधर, मध्य गाजा पट्टी में इजराइल के हमले में एक ही परिवार के आठ सदस्यों की मौत हो गयी है। फिलीस्तीन के चिकित्सा अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

दीर अल-बला स्थित अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अनुसार, गाजा में शनिवार देर रात को नुसरत शरणार्थी शिविर में एक मकान पर हमला किया गया है, जिसमें माता-पिता और आठ से 23 साल की उम्र के उनके छह बच्चों की मौत हो गई।शवों को इसी अस्पताल में लाया गया था। उसने बताया कि हमले में सात लोग घायल भी हुए हैं जिनमें दो महिलाओं और एक बच्चे की हालत गंभीर है।रिपोर्ट के अनुसार इजरायली वायु सेना ने भी सीरिया-लेबनान सीमा के पास हिजबुल्लाह की भूमिगत हथियार सुविधाओं पर हमला किया। यह कार्रवाई इजरायल के उत्तरी इलाकों और सेना पर हो रहे लगातार हमलों

के जवाब में की गई। इजरायली सेना का कहना है कि इन हमलों का उद्देश्य हिजबुल्लाह के आतंकवादी नेटवर्क को कमजोर करना और इजरायल के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

वहीं, हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल में स्थित उन बस्तियों को निशाना बनाने की धमकी दी है, जिनका उपयोग इजरायली सेना अपने सैन्य ठिकानों के रूप में कर रही है। हिजबुल्लाह की इस्लामिक प्रतिरोध सेना ने चेतावनी दी है कि हाइफा, तबरिया (तिबेरियास), और एकर (अक्का) जैसे प्रमुख कब्जे वाले शहरों में स्थित सैन्य ठिकानों पर उनके रॉकेट और वायु हमले होंगे।हिजबुल्लाह ने यह भी कहा कि जब तक इजरायल गाजा पट्टी और लेबनान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई बंद नहीं करता, तब तक ये बस्तियां उनके निशाने पर रहेंगी।हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल के निवासियों को चेतावनी दी है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए इन सैन्य स्थलों के पास न जाएं। इस बीच, इजरायल ने गाजा पट्टी में भी अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखी है।

टैंक और वायु सेना के हमलों के जरिए कई आतंकवादियों को मार गिराया गया है और उनके सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट किया जा रहा है। इजरायल की तरफ से 1 अक्टूबर से हिजबुल्लाह के खिलाफ जमीनी कार्रवाई शुरू की गई थी, जिसके बाद से लगातार हवाई हमले भी जारी हैं। बता दें कि इजरायली हमलों में अब तक 2,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, लेकिन हिजबुल्लाह लगातार इजरायली सैनिकों का मुकाबला कर रहा है और सीमा पार से रॉकेट दाग रहा है। इजरायल का कहना है कि उनका मुख्य उद्देश्य 60,000 से अधिक निवासियों की सुरक्षित वापसी के लिए परिस्थितियां बनाना है, जो उत्तर इजरायल के गोलाबारी से प्रभावित क्षेत्रों से पलायन कर चुके हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569